License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

प्रेरितों के काम 1:1

लूका ने इस पुस्तिका को किसे लिखा है?

लूका ने इस पुस्तिका को थियुफिलुस को लिखा है।

प्रेरितों के काम 1:3

यीशु ने अपने दुःख उठाने के बाद चालीस दिन तक क्या किया?

यीशु ने प्रेरितों को बहुत से पक्के प्रमाणों से अपने आपको उन्हें जीवित दिखाया और परमेश्वर के राज्य की बातें करते रहे।

प्रेरितों के काम 1:4

यीशु ने अपने चेलों को किसकी प्रतीक्षा करने की आज्ञा दी?

यीशु ने अपने चेलों से पिता की उस प्रतिज्ञा के पूरे होने की प्रतीक्षा करने के लिये कहा।

प्रेरितों के काम 1:5

थोड़े दिनों के बाद चेलों का बपतिस्मा किससे होगा?

चेलों का बपतिस्मा पवित्र आत्मा से होगा।

प्रेरितों के काम 1:7

जब चेलों ने राज्य की पुनःस्थापना का समय जानना चाहा, तो यीशु ने उन्हें क्या उत्तर दिया?

यीशु ने उनसे कहा कि समय जानना उनका काम नहीं है।

प्रेरितों के काम 1:8

यीशु ने प्रेरितों से क्या कहा कि वे पवित्र आत्मा से क्या पाएँगे?

यीशु ने कहा कि प्रेरित सामर्थ्य पाएँगे।

प्रेरितों के काम 1:8 (#2)

यीशु ने कहा कि प्रेरित उनके गवाह कहाँ होंगे?

यीशु ने कहा कि प्रेरित यरूशलेम और यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक उनके गवाह होंगे।

प्रेरितों के काम 1:9

यीशु अपने चेलों से कैसे विदा हुए?

यीशु ऊपर उठा लिये गये और बादल ने उन्हें उनकी आँखों से छिपा लिया।

प्रेरितों के काम 1:11

स्वर्गदूतों ने कैसे कहा कि यीशु फिर से पृथ्वी पर आएँगे?

स्वर्गदूतों ने कहा कि यीशु उसी रीति से फिर आएँगे जिस रीति से वे स्वर्ग में गए थे।

प्रेरितों के काम 1:14

प्रेरित, स्त्रियाँ, मरियम और यीशु के भाई अटारी में क्या कर रहे थे?

वे एक चित्त होकर प्रार्थना कर रहे थे।

प्रेरितों के काम 1:16

यहूदा जिसने यीशु को पकड़वाया, उसके जीवन में क्या पूरा हुआ था?

यहूदा के द्वारा पवित्रशास्त्र का वह लेख पूरा हुआ था।

प्रेरितों के काम 1:18

यीशु को पकड़वाने के बदले में पैसा पाने के बाद यहूदा के साथ क्या हुआ?

यहूदा ने एक खेत मोल लिया, और सिर के बल गिरा, और उसका पेट फट गया, और उसकी सब अंतड़ियाँ निकल गई।

प्रेरितों के काम 1:20

भजन संहिता की पुस्तक में, यहूदा की अगुआई के पद के विषय में क्या कहा गया है?

भजन संहिता ने कहा कि यहूदा की अगुआई का पद को कोई दूसरा ले लेगा ।

प्रेरितों के काम 1:21–22

उस व्यक्ति से क्या अपेक्षाएँ थीं जो यहूदा की अगुवाई का पद लेंगे?

जो व्यक्ति यहूदा का पद लेगा, उसे यूहन्ना के बपतिस्मा के समय से प्रेरितों के साथ बराबर रहना आवश्यक था, और यीशु के जी उठने का गवाह होना भी आवश्यक था।

प्रेरितों के काम 1:24–26

प्रेरितों ने कैसे ठहराया कि उन दो उम्मीदवारों में से कौन यहूदा का पद ले?

प्रेरितों ने प्रार्थना की कि परमेश्वर अपने चुनाव को प्रगट करें, और फिर उन्होंने चिट्ठियाँ डालीं।

प्रेरितों के काम 1:26

फिर ग्यारह प्रेरितों के साथ किसे गिना गया?

तब मत्तियाह ग्यारह प्रेरितों के साथ गिना गया।

प्रेरितों के काम 2:1

किस यहूदी पर्व के दिन सब चेलों ने एक साथ इकट्ठे हुए थे?

चेले पिन्तेकुस्त के दिन एक साथ इकट्ठे हुए थे।

प्रेरितों के काम 2:4

जब पवित्र आत्मा उस घर में आया, तो चेलों ने क्या करना आरम्भ किया?

चेलों ने अन्य-अन्य भाषा में बोलना आरम्भ कर किया।

प्रेरितों के काम 2:5

उस समय यरूशलेम में, भक्त-यहूदी कहाँ-कहाँ से आए थे?

भक्त-यहूदी आकाश के नीचे की हर एक जाति में से आए थे।

प्रेरितों के काम 2:6

जब भीड़ ने चेलों को बोलते सुना, तो लोग क्यों घबरा गए?

भीड़ घबरा गई क्योंकि हर एक ने उन्हें अपनी ही भाषा में बोलते सुना।

प्रेरितों के काम 2:11

चेले किस विषय पर चर्चा कर रहे थे?

चेले परमेश्वर के बड़े-बड़े कामों की चर्चा कर रहे थे।

प्रेरितों के काम 2:13–15

चेलों का उपहास करने वालों में से कुछ ने क्या सोचा?

कुछ ने उपहास किया और सोचा कि वे नई मदिरा के नशे में हैं।

प्रेरितों के काम 2:16–20

पतरस ने क्या कहा कि जो इस समय पूरा हो रहा है?

पतरस ने कहा कि योएल की भविष्यद्वाणी पूरी हो रही है, जिसमें कहा गया था कि परमेश्वर अपनी आत्मा सब मनुष्यों पर उण्डेलेंगे।

प्रेरितों के काम 2:21

योएल की भविष्यद्वाणी में, वे कौन हैं जो उद्धार पाएँगे?

जो कोई प्रभु का नाम लेंगे, वही उद्धार पाएँगे।

प्रेरितों के काम 2:22

यीशु की सेवकाई को परमेश्वर द्वारा कैसे प्रमाणित किया गया?

यीशु की सेवकाई को उन सामर्थ्य के कामों, आश्चर्य के कामों और चिन्हों द्वारा प्रमाणित किया गया था जो परमेश्वर ने उनके द्वारा कर दिखलाए।

प्रेरितों के काम 2:23

यीशु को क्रूस पर चढ़ाने की योजना किसकी थी?

यीशु को परमेश्वर की ठहराई हुई योजना के अनुसार क्रूस पर चढ़ाया गया था।

प्रेरितों के काम 2:25–27

पुराने नियम में, राजा दाऊद ने परमेश्वर के पवित्र जन के विषय में क्या भविष्यद्वाणी की?

राजा दाऊद ने कहा कि परमेश्वर अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देंगे।

प्रेरितों के काम 2:30

परमेश्वर ने राजा दाऊद से उसके वंश के विषय में क्या शपथ खाई थी?

परमेश्वर ने राजा दाऊद से शपथ खाई थी कि उनके वंश में से एक व्यक्ति उनके सिंहासन पर बैठेगा।

प्रेरितों के काम 2:31

पुराने नियम में, राजा दाऊद ने परमेश्वर के पवित्र जन के विषय में क्या भविष्यद्वाणी की थी?

राजा दाऊद ने कहा कि परमेश्वर अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देंगे।

प्रेरितों के काम 2:32

परमेश्वर के पवित्र जन कौन थे जो न सड़े और सिंहासन पर बैठेंगे?

यीशु ही भविष्यद्वाणी किए गए पवित्र जन और राजा थे।

प्रेरितों के काम 2:36

पतरस ने प्रचार किया कि परमेश्वर ने अब यीशु को कौन-कौन से दो उपाधियाँ दी हैं?

परमेश्वर ने यीशु को प्रभु और मसीह दोनों ठहराया है।

प्रेरितों के काम 2:37

जब भीड़ ने पतरस का प्रचार सुना, तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी?

भीड़ ने पूछा कि उन्हें क्या करना चाहिए।

प्रेरितों के काम 2:38

पतरस ने भीड़ से क्या करने को कहा?

पतरस ने भीड़ से कहा कि वे मन फिरायें और हर एक अपने-अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले।

प्रेरितों के काम 2:39

पतरस ने कहा कि परमेश्वर की प्रतिज्ञा किनके लिये था?

पतरस ने कहा कि परमेश्वर की प्रतिज्ञा भीड़, और उनकी सन्तानों, और उन सब दूर-दूर के लोगों के लिये हैं।

प्रेरितों के काम 2:41

उसी दिन कितने लोगों ने बपतिस्मा लिया?

लगभग तीन हजार लोगों ने बपतिस्मा लिया।

प्रेरितों के काम 2:42

बपतिस्मा लिये हुए लोग किसमें लौलीन रहे?

वे प्रेरितों से शिक्षा पाने और संगति रखने में, और रोटी तोड़ने और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।

प्रेरितों के काम 2:44–45

विश्वास करने वालों ने जिसकी आवश्यकता होती थी उनकी सहायता के लिये क्या किया?

उन्होंने अपनी-अपनी सम्पत्ति और सामान बेच-बेचकर, उन्हें जैसी जिसकी आवश्यकता होती थी बाँट दिया।

प्रेरितों के काम 2:46

इस समय विश्वासी कहाँ इकट्ठे हो रहे थे?

विश्वासी मन्दिर में इकट्ठे हो रहे थे।

प्रेरितों के काम 2:47

विश्वासियों के समूह में प्रतिदिन कौन मिल रहे थे?

प्रभु प्रतिदिन उन लोगों को मिला रहे थे जो उद्धार पा रहे थे।

प्रेरितों के काम 3:2

पतरस और यूहन्ना ने मन्दिर जाते समय किसे देखा?

पतरस और यूहन्ना ने एक जन्म के लँगड़े व्यक्ति को मन्दिर के द्वार पर भीख माँगते देखा।

प्रेरितों के काम 3:6

पतरस ने उस पुरुष को क्या नहीं दिया?

पतरस ने उस पुरुष को चाँदी और सोना नहीं दिया।

प्रेरितों के काम 3:7

पतरस ने उस पुरुष के लिये क्या किया?

पतरस ने उस पुरुष को चलने के लिये बल दिया।

प्रेरितों के काम 3:8

पतरस ने जो दिया, उस पर उस पुरुष ने कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की?

वह व्यक्ति चलता, और कूदता, और परमेश्वर की स्तुति करता हुआ मन्दिर में गया।

प्रेरितों के काम 3:10

मन्दिर में उस पुरुष को देखकर लोगों की प्रतिक्रिया कैसी थी?

लोग अचम्भित और चकित हो गए।

प्रेरितों के काम 3:15

पतरस ने लोगों को क्या स्मरण कराया, जो उन्होंने यीशु के साथ किया था?

पतरस ने लोगों को स्मरण कराया कि उन्होंने यीशु को मार डाला था।

प्रेरितों के काम 3:16

पतरस ने कहा कि उस मनुष्य को चंगा किसने किया?

पतरस ने कहा कि विश्वास के द्वारा जो यीशु के नाम पर है, मनुष्य को चंगा किया।

प्रेरितों के काम 3:19

पतरस ने लोगों से क्या करने को कहा?

पतरस ने लोगों से मन फिराने को कहा।

प्रेरितों के काम 3:21

पतरस ने कहा कि यीशु स्वर्ग में किस समय तक रहे?

पतरस ने कहा कि यीशु स्वर्ग में उस समय तक रहे जब तक कि सब बातों का सुधार नही होता।

प्रेरितों के काम 3:22

मूसा ने यीशु के विषय में क्या कहा?

मूसा ने कहा कि प्रभु परमेश्वर उनके जैसा एक भविष्यद्वक्ता उठाएँगे, जिनकी लोग सुनेंगे।

प्रेरितों के काम 3:23

उन प्रत्येक मनुष्य का क्या होगा जो यीशु की नहीं सुनते?

जो मनुष्य यीशु की नहीं सुनते, वे पूरी तरह से नाश किए जाएँगे।

प्रेरितों के काम 3:25

पतरस ने लोगों को पुराने नियम की किस वाचा की प्रतिज्ञा याद दिलाई?

पतरस ने लोगों को याद दिलाया कि वे उस वाचा के सन्तान हैं जो परमेश्वर ने अब्राहम के साथ बाँधी थी जब परमेश्वर ने कहा, "तेरे वंश के द्वारा पृथ्वी के सारे घराने आशीष पाएँगे।"

प्रेरितों के काम 3:26

परमेश्वर यहूदियों को कैसे आशीष देना चाहते थे?

परमेश्वर यहूदियों को आशीष देना चाहते थे कि वे उन्हें पहले यीशु भेजें, ताकि वह हर एक को उसकी अपनी बुराइयों से फिरे।

प्रेरितों के काम 4:2

पतरस और यूहन्ना मन्दिर में लोगों को क्या सिखा रहे थे?

पतरस और यूहन्ना यीशु और उनके मरे हुओं में से जी उठने के विषय में सिखा रहे थे।

प्रेरितों के काम 4:3

मन्दिर के सरदार, याजक, और सदूकी पतरस और यूहन्ना की शिक्षा पर कैसे प्रतिक्रिया दी?

उन्होंने पतरस और यूहन्ना को पकड़कर हवालात में रखा।

प्रेरितों के काम 4:4

पतरस और यूहन्ना की शिक्षा पर सुननेवालों ने कैसी प्रतिक्रिया दी?

बहुतों ने विश्वास किया, और उनकी गिनती पाँच हजार पुरुषों के लगभग हो गई।

प्रेरितों के काम 4:10

पतरस ने पूछा कि उन्होंने किस सामर्थ्य से या किस नाम से मन्दिर में उस मनुष्य को चंगा किया था?

पतरस ने कहा कि उन्होंने यीशु मसीह के नाम से मन्दिर में उस मनुष्य को चंगा किया था।

प्रेरितों के काम 4:12

पतरस ने कहा कि केवल किस मार्ग से हम उद्धार पा सकते हैं?

पतरस ने कहा कि यीशु के अलावा दूसरा कोई नाम नहीं है, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें।

प्रेरितों के काम 4:14

यहूदी अगुएँ पतरस और यूहन्ना के विरोध में कुछ क्यों नहीं कह सके?

अगुएँ कुछ नहीं कह सके क्योंकि जो मनुष्य अच्छा हुआ था वह पतरस और यूहन्ना के साथ खड़ा था।

प्रेरितों के काम 4:18

यहूदी अगुओं ने पतरस और यूहन्ना को क्या न करने की चेतावनी दी?

यहूदी अगुओं ने पतरस और यूहन्ना को चेतावनी दी कि वे यीशु के नाम से कुछ भी न बोलेंगे और न सीखाएँगे।

प्रेरितों के काम 4:20

पतरस और यूहन्ना ने यहूदी अगुओं को क्या उत्तर दिया?

पतरस और यूहन्ना ने कहा कि यह तो उनसे हो नहीं सकता, कि जो उन्होंने देखा और सुना है, वह न कहें।

प्रेरितों के काम 4:29-30

यहूदी अगुओं की चेतावनियों के जवाब में विश्वासियों ने परमेश्वर से क्या माँगा?

विश्वासियों ने वचन सुनाने के लिये साहस, और यीशु के नाम से चिन्ह और अद्‌भुत काम करने की माँग की।

प्रेरितों के काम 4:31

विश्वासियों की प्रार्थना होने के बाद क्या हुआ?

जब विश्वासी अपनी प्रार्थना कर चुके, तो वह स्थान जहाँ वे इकट्ठे थे हिल गया, और वे सब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गए, और परमेश्वर का वचन साहस से सुनाने लगे।

प्रेरितों के काम 4:32

विश्वासियों की आवश्यकताएँ कैसे पूरी की जाती थी?

विश्वासियों के पास सब कुछ साझे का था, और जिनकी अपनी सम्पत्ति होती थी, उसे बेचकर जैसे जिसकी आवश्यकता होती थी बाँट दिया करते थे।

प्रेरितों के काम 4:34–35

विश्वासियों की आवश्यकताएँ कैसे पूरी की जाती थी?

विश्वासियों में सब कुछ साझा था, और जिनके पास सम्पत्ति थी, उसे बेचकर, दाम जिसे जैसे आवश्यकता होती थी, उसके अनुसार बाँट दिया करते थे।

प्रेरितों के काम 4:36

उस व्यक्ति को नया नाम क्या दिया गया, जिसका अर्थ "शान्ति का पुत्र" है, जिसने अपनी भूमि बेचकर दाम के रुपए प्रेरितों को दिए?

यूसुफ, जिन्होंने अपनी भूमि बेची और दाम के रुपए प्रेरितों को दिए, उन्हें नया नाम "बरनबास" दिया गया।

प्रेरितों के काम 5:1–2

हनन्याह और सफीरा ने कौन सा पाप किया था?

हनन्याह और सफीरा ने यह झूठ कहा कि वे अपनी बेची गई सम्पत्ति का पूरा दाम दे रहे हैं, जबकि वास्तव में वे दाम में केवल एक भाग दे रहे थे।

प्रेरितों के काम 5:3–4

पतरस ने कहा कि हनन्याह और सफीरा ने किनसे झूठ बोला था?

पतरस ने कहा कि हनन्याह और सफीरा ने मनुष्यों से नहीं, परन्तु पवित्र आत्मा से झूठ बोला था।

प्रेरितों के काम 5:5

हनन्याह पर परमेश्वर का न्याय क्या था?

परमेश्वर ने हनन्याह को मार डाला।

प्रेरितों के काम 5:10

सफीरा पर परमेश्वर का न्याय क्या था?

परमेश्वर ने सफीरा को मार डाला।

प्रेरितों के काम 5:11

हनन्याह और सफ़ीरा के इन बातों को सुननेवाले और कलीसिया की प्रतिक्रिया क्या थी?

हनन्याह और सफीरा के विषय में सुननेवाले सभी लोगों और कलीसिया पर बड़ा भय छा गया।

प्रेरितों के काम 5:15–16

कुछ लोग बीमारों को अच्छा करने के लिये क्या कर रहे थे?

कुछ लोग बीमारों को सड़कों पर ला रहे थे ताकि पतरस की छाया ही उनमें से किसी पर पड़ जाए, और अन्य लोग यरूशलेम के आस-पास के नगरों से भी बीमारों को ला रहे थे।

प्रेरितों के काम 5:17–18

सदूकियों के पंथ ने यरूशलेम में सभी बीमारों के अच्छे होने पर कैसी प्रतिक्रिया दी?

सदूकियों के पंथ ईर्ष्या से भर उठे और उन्होंने प्रेरितों को पकड़कर बन्दीगृह में बन्द कर दिया।

प्रेरितों के काम 5:19

प्रेरित बन्दीगृह से कैसे बाहर आए?

एक स्वर्गदूत आए और बन्दीगृह के द्वार खोले और उन्हें बाहर लाए।

प्रेरितों के काम 5:23

अधिकारी बन्दीगृह में पहुँचे तो उन्होंने क्या पाया?

अधिकारियों ने पाया कि बन्दीगृह बड़ी सावधानी से बन्द थी, परन्तु भीतर कोई नहीं मिला।

प्रेरितों के काम 5:26

अधिकारियों ने प्रेरितों को बिना बलपूर्वक महायाजक और महासभा के सामने क्यों लाएँ?

अधिकारियों को यह डर था कि लोग उन पर पथराव सकते हैं।

प्रेरितों के काम 5:29

जब उनसे पूछा गया कि वे यीशु के नाम से क्यों उपदेश दे रहे हैं, जबकि उन्हें ऐसा न करने का आज्ञा दी थी, तो प्रेरितों ने क्या कहा?

प्रेरितों ने कहा, "मनुष्यों की आज्ञा से बढ़कर परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना ही हमारा कर्तव्य है।"

प्रेरितों के काम 5:30

प्रेरितों ने यीशु की हत्या के लिये किसे जिम्मेदार बताया?

प्रेरितों ने कहा कि महायाजक और महासभा के सदस्य यीशु की हत्या के लिये जिम्मेदार थे।

प्रेरितों के काम 5:33

महासभा के सदस्यों ने इस कथन पर कैसे प्रतिक्रिया दी कि वे यीशु की हत्या के लिये जिम्मेदार थे?

महासभा के सदस्य जल उठे और प्रेरितों को मार डालना चाहते थे।

प्रेरितों के काम 5:38–39

गमलीएल ने महासभा को क्या सम्मति दी?

गमलीएल ने महासभा को सम्मति दी कि वे उन मनुष्यों से कुछ काम न रखो।

प्रेरितों के काम 5:39

गमलीएल ने महासभा को क्या चेतावनी दी कि यदि वे प्रेरितों को मिटाने का प्रयास करेंगे तो उन्हें क्या करना पड़ेगा?

गमलीएल ने महासभा को चेतावनी दी कि वे परमेश्वर से भी लड़नेवाले ठहरेंगे।

प्रेरितों के काम 5:40

अन्त में महासभा ने प्रेरितों के साथ क्या किया?

महासभा ने प्रेरितों को बुलाकर पिटवाया; और यह आज्ञा देकर छोड़ दिया, कि यीशु के नाम से फिर बातें न करे।

प्रेरितों के काम 5:41

प्रेरितों ने महासभा से मिले व्यवहार पर कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की?

प्रेरित इस बात से आनन्दित हुए कि उन्हें यीशु के नाम के लिये निरादर होने के योग्य तो ठहरे।

प्रेरितों के काम 5:42

प्रेरितों ने महासभा से मिलने के बाद हर दिन क्या किया?

प्रेरितों हर दिन सीखाते और प्रचार करते थे कि यीशु ही मसीह हैं।

प्रेरितों के काम 6:1

यूनानी भाषा बोलनेवाले इब्रानियों पर क्यों कुड़कुड़ाने लगे?

यूनानी भाषा बोलनेवाले कुड़कुड़ाने लगे क्योंकि प्रतिदिन की सेवकाई में उनकी विधवाओं की सुधि नहीं ली जाती थी।

प्रेरितों के काम 6:3

प्रतिदिन की सेवकाई का ध्यान रखने के लिये सात पुरुषों को किसने चुना?

चेलों (भाइयों) ने सात पुरुषों को चुना।

प्रेरितों के काम 6:3 (#2)

उन सात पुरुषों में से एक चुने के जाने के लिये क्या योग्यताएँ थीं?

सात पुरुषों का सुनाम होना, पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हो आवश्यक था।

प्रेरितों के काम 6:4

प्रेरित किस बात में लगे रहेंगे?

प्रेरित प्रार्थना में और वचन की सेवा में लगे रहेंगे।

प्रेरितों के काम 6:6

जब विश्वासियों ने सात पुरुषों को प्रेरितों के सामने खड़ा किया, तो प्रेरितों ने क्या किया?

प्रेरितों ने प्रार्थना करके उन सात पुरुषों पर हाथ रखे।

प्रेरितों के काम 6:7

यरूशलेम में चेलों के साथ क्या हो रहा था?

चेलों की गिनती बहुत बढ़ती जा रही थी, और इसमें याजकों का एक बड़ा समाज भी शामिल हो रहा था।

प्रेरितों के काम 6:10

अविश्वासी यहूदियों और स्तिफनुस के बीच वाद-विवाद में कौन जीत रहा था?

स्तिफनुस उस ज्ञान और उस आत्मा का जिससे वह बातें कर रहे थे, अविश्वासी यहूदी सामना न कर सके।

प्रेरितों के काम 6:14

झूठे गवाहों ने महासभा में स्तिफनुस के विरुद्ध क्या मुकद्दमे लगाए?

झूठे गवाहों ने दावा किया कि स्तिफनुस ने कहा कि यीशु इस जगह को ढा देंगे और मूसा की रीतियों को बदल देंगे।

प्रेरितों के काम 6:15

जब महासभा ने स्तिफनुस की ओर देखा, तो उन्होंने क्या देखा?

उन्होंने उनकी ओर ताक कर उनका मुख स्वर्गदूत के समान देखा।

प्रेरितों के काम 7:2

स्तिफनुस ने यहूदी लोगों के इतिहास किससे आरम्भ करने वाले परमेश्वर के प्रतिज्ञा से समीक्षा करना आरम्भ किया?

स्तिफनुस ने परमेश्वर द्वारा अब्राहम से की गई प्रतिज्ञा के विषय में बात करके अपना इतिहास आरम्भ किया।

प्रेरितों के काम 7:5

परमेश्वर ने अब्राहम से क्या प्रतिज्ञा की थी?

परमेश्वर ने अब्राहम और उनके वंश को देश देने की प्रतिज्ञा की थी।

प्रेरितों के काम 7:5 (#2)

परमेश्वर का अब्राहम से की गई प्रतिज्ञा का पूरा होना असम्भव क्यों लग रहा था?

परमेश्वर की प्रतिज्ञा असम्भव लग रही थी क्योंकि अब्राहम के कोई पुत्र नहीं थे।

प्रेरितों के काम 7:6

परमेश्वर ने कहा कि अब्राहम के सन्तान के साथ पहले चार सौ वर्ष में क्या होगा?

परमेश्वर ने कहा कि अब्राहम के सन्तान चार सौ वर्ष तक एक पराए देश में दास बने रहेंगे।

प्रेरितों के काम 7:8

परमेश्वर ने अब्राहम के साथ कौन-सी वाचा बाँधी?

परमेश्वर ने अब्राहम से खतने की वाचा बाँधी।

प्रेरितों के काम 7:9

यूसुफ मिस्र में दास कैसे बने?

उनके भाइयों ने उनसे ईर्ष्या की और उन्हें मिस्र देश जानेवालों के हाथ बेचा।

प्रेरितों के काम 7:10

यूसुफ मिस्र का राज्यपाल कैसे बने?

परमेश्वर ने यूसुफ को फ़िरौन के आगे अनुग्रह और बुद्धि दी।

प्रेरितों के काम 7:12–13

जब कनान में अकाल पड़ा, तब याकूब ने क्या किया?

याकूब ने अपने पुत्रों को मिस्र भेजा क्योंकि उन्होंने सुना था कि वहाँ अनाज है।

प्रेरितों के काम 7:14

याकूब और उनके कुटुम्ब मिस्र क्यों चले गए?

यूसुफ ने अपने भाइयों को याकूब को मिस्र आने के लिये बुला भेजा ताकि वे अकाल के समय उन्हें अन्न दे सकें।

प्रेरितों के काम 7:17

जब अब्राहम से की हुई प्रतिज्ञा के पूरे होने का समय निकट आया, तो मिस्र में इस्राएलियों की गिनती के साथ क्या हुआ?

मिस्र में इस्राएली लोग बढ़ गए और बहुत हो गए।

प्रेरितों के काम 7:19

मिस्र के नये राजा ने इस्राएलियों की गिनती को कम करने का प्रयास कैसे किया?

मिस्र के नए राजा ने इस्राएलियों को अपने बालकों को फेंकवाएँ ताकि वे जीवित न रहें।

प्रेरितों के काम 7:21

मूसा फेंके जाने पर कैसे जीवित बचे?

फ़िरौन की बेटी ने मूसा को उठा लिया और उन्हें अपना पुत्र करके पाला।

प्रेरितों के काम 7:22

मूसा की पढ़ाई कैसे हुई?

मूसा को मिस्रियों की सारी विद्या पढ़ाई गई।

प्रेरितों के काम 7:24

जब मूसा चालीस वर्ष के हुए, तब उन्होंने क्या किया जब उन्होंने एक इस्राएली के साथ अन्याय होते देखा?

मूसा ने इस्राएली को बचाया और मिस्री को मार डाला।

प्रेरितों के काम 7:29

मूसा कहाँ भाग गए?

मूसा मिद्यान को भाग गए।

प्रेरितों के काम 7:30

जब मूसा अस्सी वर्ष के थे, तब उन्होंने क्या देखा?

मूसा ने जलती हुई झाड़ी की ज्वाला में एक स्वर्गदूत को देखा।

प्रेरितों के काम 7:34

प्रभु ने मूसा को कहाँ जाने की आज्ञा दी, और परमेश्वर वहाँ क्या करने वाले थे?

प्रभु ने मूसा को मिस्र जाने की आज्ञा दी, क्योंकि परमेश्वर इस्राएलियों को छुड़ाने वाले थे।

प्रेरितों के काम 7:36

मूसा ने इस्राएलियों को जंगल में कितने समय तक चलाया?

मूसा ने इस्राएलियों को जंगल में चालीस वर्ष तक चलाया।

प्रेरितों के काम 7:37

मूसा ने इस्राएलियों से क्या भविष्यद्वाणी की थी?

मूसा ने इस्राएलियों से भविष्यद्वाणी की कि परमेश्वर उनके भाइयों में से उनके (मूसा) जैसा एक भविष्यद्वक्ता उठाएँगे।

प्रेरितों के काम 7:41

इस्राएलियों ने अपने मन को मिस्र की ओर कैसे फेरा?

इस्राएलियों ने सोने का बछड़ा बनाया और उसकी मूरत के आगे बलि चढ़ाया जिसे उन्होंने बनाया था।

प्रेरितों के काम 7:42

जब इस्राएलियों ने परमेश्वर से मन फेर लिया, तब परमेश्वर ने कैसे प्रतिक्रिया दी?

परमेश्वर ने इस्राएलियों से मुँह मोड़ लिया और उन्हें छोड़ दिया कि आकाशगण को पूजें।

प्रेरितों के काम 7:43

परमेश्वर ने कहा कि वे इस्राएलियों को कहाँ ले जाकर बसाएँगे?

परमेश्वर ने कहा कि वे इस्राएलियों को बाबेल के परे ले जाकर बसाएँगे।

प्रेरितों के काम 7:44-45

जंगल में, परमेश्वर ने इस्राएलियों को क्या बनाने की आज्ञा दी, जिसे वे बाद में अपने देश में ले गए?

जंगल में, इस्राएलियों ने साक्षी का तम्बू बनाया।

प्रेरितों के काम 7:45

इस्राएलियों के सामने से अन्यजातियों को किसने निकाला?

परमेश्वर ने इस्राएलियों के सामने से अन्यजातियों को निकाला।

प्रेरितों के काम 7:46

किसने परमेश्वर के लिये एक निवास-स्थान बनाने को कहा था?

दाऊद ने परमेश्वर के लिये एक निवास-स्थान बनाने को कहा था।

प्रेरितों के काम 7:47

किसने वास्तव में परमेश्वर के लिये घर बनाया?

राजा दाऊद के पुत्र सुलैमान ने परमेश्वर के लिये घर बनाया।

प्रेरितों के काम 7:49

परमप्रधान का सिंहासन कहाँ है?

परमप्रधान का सिंहासन स्वर्ग है।

प्रेरितों के काम 7:51

स्तिफनुस ने लोगों पर किस बात का दोष लगाया कि वे सदा करते हैं, जैसा उनके पूर्वज ने किया था?

स्तिफनुस ने लोगों पर पवित्र आत्मा का विरोध करने का दोष लगाया।

प्रेरितों के काम 7:52

धर्मी के विषय में, स्तिफनुस ने कहा कि लोग किस बात के लिये दोषी थे?

स्तिफनुस ने कहा कि लोगों ने धर्मी को पकड़वा दिया और उन्हें मार डाला।

प्रेरितों के काम 7:54

महासभा के सदस्यों ने स्तिफनुस के लगाए गए दोषों पर कैसी प्रतिक्रिया दी?

महासभा के सदस्य क्रोधित हुए और स्तिफनुस पर दाँत पीसने लगे।

प्रेरितों के काम 7:55–56

जब स्तिफनुस ने स्वर्ग की ओर देखा, तो उन्होंने क्या देखा?

स्तिफनुस ने कहा कि उन्होंने यीशु को परमेश्वर की दाहिनी ओर खड़ा देखा।

प्रेरितों के काम 7:57–58

तब महासभा के सदस्यों ने स्तिफनुस के साथ क्या किया?

महासभा के सदस्य उन पर झपटे, उन्हें नगर से बाहर निकाला, और उन पर पथराव किया।

प्रेरितों के काम 7:58

स्तिफनुस को पथराव करने के समय गवाहों ने अपने कपड़े उतार कर कहाँ रखे थे?

गवाहों ने अपने कपड़े शाऊल नामक एक जवान के पाँवों के पास उतार कर रखे थे।

प्रेरितों के काम 7:60

मृत्यु से पहले स्तिफनुस ने अन्त में क्या प्रार्थना की?

स्तिफनुस ने परमेश्वर से प्रार्थना की कि यह पाप उन लोगों पर न लगाएँ।

प्रेरितों के काम 8:1

शाऊल ने स्तिफनुस की पथराव के विषय में क्या सोचा?

शाऊल स्तिफनुस की मृत्यु के साथ सहमत था।

प्रेरितों के काम 8:1 (#2)

जिस दिन स्तिफनुस को पथराव किया, उस दिन क्या आरम्भ हुआ?

जिस दिन स्तिफनुस को पथराव किया गया, उस दिन यरूशलेम की कलीसिया पर बड़ा उपद्रव होना आरम्भ हुआ।

प्रेरितों के काम 8:1 (#3)

यरूशलेम में विश्वासियों ने क्या किया था?

यरूशलेम में विश्वासी सब यहूदिया और सामरिया देशों में तितर-बितर हो गए, जिससे विश्वास नए स्थानों में फैल गया।

प्रेरितों के काम 8:6

सामरिया के लोगों ने फिलिप्पुस की बातों पर मन क्यों लगाया?

फिलिप्पुस उन्हें चिन्ह दिखाता थे, इसलिए लोगों ने मन लगाया।

प्रेरितों के काम 8:9–11

सामरिया के लोगों शमौन का सम्मान क्यों करते थे?

लोग उसका सम्मान करते थे क्योंकि उन्होंने उसके जादू के कामों को देखा था।

प्रेरितों के काम 8:13

जब शमौन ने फिलिप्पुस का सन्देश सुना, तो उन्होंने क्या किया?

शमौन ने भी विश्वास किया और बपतिस्मा लिया।

प्रेरितों के काम 8:17

जब पतरस और यूहन्ना ने सामरिया में विश्वासियों पर हाथ रखे, तब क्या हुआ?

सामरिया के विश्वासियों ने पवित्र आत्मा को पाया।

प्रेरितों के काम 8:18–19

शमौन ने प्रेरितों के पास क्या लाया?

शमौन ने प्रेरितों को हाथ रखकर पवित्र आत्मा देने की शक्ति के बदले में रुपए लेकर आया।

प्रेरितों के काम 8:23

जब शमौन ने रुपए प्रेरितों को दिया, तब पतरस ने शमौन की आत्मिक दशा के विषय में क्या कहा?

पतरस ने कहा कि शमौन पित्त की कड़वाहट और अधर्म के बन्धन में पड़ा हुआ है।

प्रेरितों के काम 8:26

स्वर्गदूत ने फिलिप्पुस से क्या करने के लिये कहा?

स्वर्गदूत ने फिलिप्पुस से कहा कि वे दक्षिण की ओर, गाज़ा जाने वाली रेगिस्तानी मार्ग पर जाए।

प्रेरितों के काम 8:27–28

फिलिप्पुस किससे मिले?

फिलिप्पुस कूश के एक खोजे से मिले, जो एक बड़े अधिकारी थे और यरूशलेम में आराधना करने को आए थे।

प्रेरितों के काम 8:30

फिलिप्पुस ने उस पुरुष से क्या प्रश्न पूछा, जिसे उन्होंने यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक पढ़ते हुए सुना?

फिलिप्पुस ने पुरुष से पूछा, "तू जो पढ़ रहा है क्या उसे समझता भी है?"

प्रेरितों के काम 8:31

उस पुरुष ने फिलिप्पुस से क्या करने को कहा?

उस पुरुष ने फिलिप्पुस से कहा कि वह रथ पर चढ़कर उनके पास बैठे और उसे समझाए जो वह पढ़ रहे थे।

प्रेरितों के काम 8:32

यशायाह के पवित्रशास्त्र से पढ़े जा रहे वर्णित व्यक्ति के साथ क्या होता है?

वह व्यक्ति भेड़ के समान वध होने को पहुँचाया जाता है, परन्तु अपना मुँह नहीं खोलता।

प्रेरितों के काम 8:34

उस व्यक्ति ने फिलिप्पुस से उस पवित्रशास्त्र के विषय में क्या प्रश्न पूछा जिसे वह पढ़ रहे थे?

व्यक्ति ने फिलिप्पुस से पूछा कि क्या भविष्यद्वक्ता अपने विषय में या किसी अन्य व्यक्ति के विषय में बोल रहे थे।

प्रेरितों के काम 8:35

फिलिप्पुस ने पूछा कि यशायाह के पवित्रशास्त्र में वह व्यक्ति कौन थे?

फिलिप्पुस ने समझाया कि यशायाह के पवित्रशास्त्र में वह व्यक्ति यीशु थे।

प्रेरितों के काम 8:38

फिर फिलिप्पुस ने उस व्यक्ति के साथ क्या किया?

फिलिप्पुस और खोजा दोनों जल में उतर पड़े और फिलिप्पुस ने उन्हें बपतिस्मा दिया।

प्रेरितों के काम 8:39

जब फिलिप्पुस जल में से निकलकर ऊपर आए, तो उनके साथ क्या हुआ?

जब फिलिप्पुस जल में से निकलकर ऊपर आए, तब प्रभु का आत्मा फिलिप्पुस को उठा ले गए।

प्रेरितों के काम 8:39 (#2)

जब खोजा जल से बाहर निकलकर ऊपर आए, तो उन्होंने क्या किया?

जब खोजा जल से बाहर निकलकर ऊपर आए, तब वह आनन्द करता हुआ अपने मार्ग चला गया।

प्रेरितों के काम 9:1–2

शाऊल ने यरूशलेम में महायाजक से क्या करने की अनुमति माँगी थी?

शाऊल ने आराधनालयों के नाम पर अभिप्राय की चिट्ठियाँ माँगी ताकि वह दमिश्क जाए, और इस पंथ पर पाए जाने वालों को बाँधकर यरूशलेम में ले आए।

प्रेरितों के काम 9:3

जब शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचे, तो उन्होंने क्या देखा?

जैसे ही शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचे, उन्होंने आकाश से ज्योति चमकती देखी।

प्रेरितों के काम 9:4

शब्द ने शाऊल से क्या कहा था?

शब्द ने कहा, "हे शाऊल, हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?"

प्रेरितों के काम 9:5

जब शाऊल ने पूछा कि उनसे कौन बात कर रहा है, तो उत्तर क्या था?

उत्तर यह था, "मैं यीशु हूँ; जिसे तू सताता है।"

प्रेरितों के काम 9:8

जब शाऊल भूमि पर से उठे, तो उनके साथ क्या हुआ था?

जब शाऊल उठे, तो उन्हें कुछ दिखाई न दिया।

प्रेरितों के काम 9:8–9

शाऊल ने दमिश्क में तीन दिन तक क्या किया?

शाऊल ने तीन दिन तक न खाया और न पीया।

प्रेरितों के काम 9:11–12

प्रभु ने हनन्याह से क्या करने को कहा?

प्रभु ने हनन्याह से कहा कि वे जाकर शाऊल के ऊपर हाथ रखें, ताकि शाऊल फिर से दृष्टि पाए।

प्रेरितों के काम 9:13–14

हनन्याह ने प्रभु के सामने कौन सी चिन्ता व्यक्त की?

हनन्याह चिन्तित थे क्योंकि वे जानते थे कि शाऊल दमिश्क में उन सभी को बाँधने आए हैं जो प्रभु का नाम लेते हैं।

प्रेरितों के काम 9:15

प्रभु ने शाऊल को अपना चुना हुआ पात्र बनाने का क्या उद्देश्य था?

प्रभु ने कहा कि शाऊल प्रभु के नाम को अन्यजातियों और राजाओं, और इस्राएलियों के सामने प्रगट करेंगे।

प्रेरितों के काम 9:16

क्या प्रभु ने कहा कि शाऊल का उद्देश्य सरल या कठिन होगा?

प्रभु ने कहा कि शाऊल प्रभु के नाम के लिये कैसा-कैसा दुःख उठाएँगे।

प्रेरितों के काम 9:18–19

जब हनन्याह ने शाऊल के ऊपर हाथ रखा, तब क्या हुआ?

जब हनन्याह ने शाऊल के ऊपर हाथ रखा, तब शाऊल देखने लगा, बपतिस्मा लिया और भोजन किया।

प्रेरितों के काम 9:20

शाऊल ने तुरन्त क्या करना आरम्भ किया?

शाऊल ने तुरन्त आराधनालयों में यीशु का प्रचार करना आरम्भ किया, यह कहते हुए कि यीशु परमेश्वर के पुत्र हैं।

प्रेरितों के काम 9:25

जब यहूदियों ने अन्ततः शाऊल को मार डालने की युक्ति निकाली, तब वह कैसे बच निकले?

जब यहूदियों ने उन्हें मार डालने की युक्ति निकाली, तो शाऊल को रात में एक टोकरे में बिठाकर शहरपनाह से नीचे लटकाकर बचा लिया।

प्रेरितों के काम 9:26

जब शाऊल यरूशलेम आए, तो चेलों ने उन्हें कैसे स्वीकार किया?

यरूशलेम में, चेले शाऊल से डरते थे क्योंकि उनको विश्वास नहीं हो रहा था कि वह सच में एक विश्वासी बन गए हैं।

प्रेरितों के काम 9:27

फिर कौन शाऊल को प्रेरितों के पास लाया और उन्हें समझाया कि दमिश्क में शाऊल के साथ क्या हुआ था?

बरनबास शाऊल को प्रेरितों के पास लाए और समझाया कि दमिश्क में शाऊल के साथ क्या हुआ था।

प्रेरितों के काम 9:28

शाऊल ने यरूशलेम में क्या किया?

शाऊल ने निधड़क होकर प्रभु यीशु के नाम से प्रचार किया।

प्रेरितों के काम 9:31

शाऊल को तरसुस भेज देने के बाद, यहूदिया, गलील, और सामरिया में कलीसिया की स्थिति क्या थी?

यहूदिया, गलील, और सामरिया में कलीसिया को चैन मिला और उन्नति होती गई, बढ़ती गई।

प्रेरितों के काम 9:33–35

लुद्दा में ऐसा क्या हुआ जिसने वहाँ सब को प्रभु की ओर फेर दिया?

लुद्दा में पतरस ने एक लकवे मनुष्य से बात की, जो यीशु के द्वारा चंगा हुआ।

प्रेरितों के काम 9:40

याफा में ऐसा क्या हुआ जिससे बहुतों ने प्रभु पर विश्वास किया?

पतरस ने तबीता नामक एक मृत स्त्री के लिये प्रार्थना की, जिसे जीवित किया गया था।

प्रेरितों के काम 10:1–2

कुरनेलियुस किस प्रकार के व्यक्ति थे?

कुरनेलियुस एक भक्त थे जो परमेश्वर से डरते थे, दान देते थे, और बराबर परमेश्वर से प्रार्थना करते थे।

प्रेरितों के काम 10:4

स्वर्गदूत ने क्या कहा जिससे परमेश्वर कुरनेलियुस को स्मरण करते हैं?

स्वर्गदूत ने कहा कि कुरनेलियुस की प्रार्थनाएँ और दान ने परमेश्वर को कुरनेलियुस का स्मरण कराया है।

प्रेरितों के काम 10:5

स्वर्गदूत ने कुरनेलियुस को क्या करने को कहा?

स्वर्गदूत ने कुरनेलियुस से कहा कि वे याफा में मनुष्यों को भेजें ताकि वे पतरस को कुरनेलियुस के घर बुलवा ले।

प्रेरितों के काम 10:11–12

दूसरे दिन, जब पतरस छत पर प्रार्थना कर रहे थे और बेसुध थे, तब उन्होंने क्या देखा?

पतरस ने एक बड़ी चादर देखी जिसमें सब प्रकार के चौपाए और रेंगनेवाले जन्तु और आकाश के पक्षी थे।

प्रेरितों के काम 10:13

जब पतरस ने दर्शन देखा, तब वाणी ने उनसे क्या कहा?

वाणी ने पतरस से कहा, "हे पतरस उठ, मार और खा"।

प्रेरितों के काम 10:14

पतरस ने वाणी को क्या उत्तर दिया?

पतरस ने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि उन्होंने कभी कोई अपवित्र या अशुद्ध वस्तु नहीं खाई है।

प्रेरितों के काम 10:15

इसके बाद वाणी ने पतरस से क्या कहा?

वाणी ने कहा, "जो कुछ परमेश्वर ने शुद्ध ठहराया है, उसे तू अशुद्ध मत कह"।

प्रेरितों के काम 10:20

जब कुरनेलियुस के मनुष्य घर पर पहुँचे, तो आत्मा ने पतरस से क्या करने को कहा?

आत्मा ने पतरस से कहा कि नीचे जाओ और उनके साथ हो लो।

प्रेरितों के काम 10:22

कुरनेलियुस के मनुष्य को क्या आशा थी कि पतरस कुरनेलियुस के घर आकर क्या करेंगे?

कुरनेलियुस के मनुष्य पतरस से आशा कर रहे थे कि वे आएँगे और कुरनेलियुस के घर में उपदेश देंगे।

प्रेरितों के काम 10:26

जब कुरनेलियुस पतरस के पाँवों पर गिरकर प्रणाम किया, तो पतरस क्या कहा?

पतरस ने कुरनेलियुस से खड़े होने के लिये कहा, क्योंकि वह केवल एक मनुष्य थे।

प्रेरितों के काम 10:28

पतरस ऐसा क्या कर रहे थे जो पहले यहूदियों के लिये अनुमति नहीं थी, और अब वह ऐसा क्यों कर रहे थे?

पतरस अन्यजाति के साथ संगति कर रहे थे, क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें दिखाया था कि उन्हें किसी मनुष्य को अपवित्र या अशुद्ध नहीं कहना चाहिए।

प्रेरितों के काम 10:35

पतरस ने किसे कहा कि वह परमेश्वर को भाता है?

पतरस ने कहा कि जो कोई परमेश्वर से डरता और धार्मिक काम करता है, वह परमेश्वर को भाता है।

प्रेरितों के काम 10:38

कुरनेलियुस के घर के लोगों ने यीशु के विषय में पहले से ही कौन सा वचन सुना था?

लोगों ने पहले ही सुन लिया था कि यीशु को पवित्र आत्मा और सामर्थ्य से अभिषेक किया गया था, और उन्होंने जो सताए थे,उनको अच्छा किया, क्योंकि परमेश्वर उनके साथ थे।

प्रेरितों के काम 10:40–41

पतरस ने क्या प्रचार किया कि यीशु की मृत्यु के बाद उनके साथ क्या हुआ, और पतरस यह कैसे जानते थे?

पतरस ने प्रचार किया कि परमेश्वर ने तीसरे दिन यीशु को जिलाया, और पतरस ने यीशु के मरे हुओं में से जी उठने के बाद उनके साथ खाया।

प्रेरितों के काम 10:42

पतरस ने कहा कि यीशु ने उन्हें लोगों को क्या प्रचार करने की आज्ञा दी थी?

यीशु ने उन्हें यह प्रचार करने की आज्ञा दी थी कि परमेश्वर ने यीशु को जीवितों और मरे हुओं का न्यायी ठहराया है।

प्रेरितों के काम 10:43

पतरस ने कहा कि जो कोई यीशु पर विश्वास करेंगे, उन्हें क्या मिलेगा?

पतरस ने कहा कि जो कोई यीशु पर विश्वास करेंगे, उन्हें पापों की क्षमा मिलेगी।

प्रेरितों के काम 10:44

जब पतरस बातें कह ही रहे थे, तो सुननेवालों के साथ क्या हुआ?

पतरस की बातें को सब सुननेवालों पर पवित्र आत्मा उतरा।

प्रेरितों के काम 10:45

खतना किए हुए विश्वासी क्यों चकित हुए?

खतना किए हुए विश्वासी चकित हुए क्योंकि अन्यजातियों पर भी पवित्र आत्मा का दान उण्डेला गया।

प्रेरितों के काम 10:46

लोग क्या कर रहे थे जिससे यह प्रगट होता था कि उन पर पवित्र आत्मा उतरा है?

लोग भाँति-भाँति की भाषा बोल रहे थे और परमेश्वर की बड़ाई कर रहे थे, जिससे यह प्रगट होता था कि उन पर पवित्र आत्मा उतरा है।

प्रेरितों के काम 10:48

जब देखा कि लोगों ने पवित्र आत्मा पा लिया है, तब पतरस ने उनके साथ क्या करने की आज्ञा दी?

पतरस ने आज्ञा दी कि लोगों को यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दिया जाए।

प्रेरितों के काम 11:1

यहूदिया में प्रेरितों और भाइयों ने क्या समाचार सुना?

यहूदिया में प्रेरितों और भाइयों ने सुना कि अन्यजातियों ने भी परमेश्वर का वचन मान लिया है।

प्रेरितों के काम 11:2–3

यरूशलेम में खतना किए हुए लोग पतरस से क्या वाद-विवाद करने लगे?

खतना किए हुए लोगों ने पतरस से वाद-विवाद किया क्योंकि वे खतनारहित लोगों के साथ खाया करते थे।

प्रेरितों के काम 11:15

पतरस ने यह प्रगट करने के लिये क्या प्रमाण दिया कि परमेश्वर ने अन्यजातियों को स्वीकार कर लिया है?

पतरस ने यह सच्चाई बताई कि पवित्र आत्मा अन्यजातियों पर उसी रीति से उतरा, जिस रीति से आरम्भ में यहूदियों पर उतरा था।

प्रेरितों के काम 11:18

जब खतना किए हुए लोगों ने पतरस की व्याख्या सुनी, तो उनका निष्कर्ष क्या निकला?

वे परमेश्वर की बड़ाई करके कहने लगे कि परमेश्वर ने अन्यजातियों को भी जीवन के लिये मन फिराव का दान दिया है।

प्रेरितों के काम 11:19

स्तिफनुस की मृत्यु के बाद तितर-बितर हुए अधिकांश विश्वासियों ने क्या किया?

अधिकांश तितर-बितर हुए विश्वासियों ने यीशु के विषय में सन्देश केवल यहूदियों को ही सुनाया।

प्रेरितों के काम 11:20–21

जब कुछ तितर-बितर हुए विश्वासियों ने यूनानियों को प्रभु यीशु का सुसमाचार सुनाया, तो क्या हुआ?

जब उन्होंने यूनानियों को प्रभु यीशु का सुसमाचार सुनाया, तो बहुत लोगों ने विश्वास किया।

प्रेरितों के काम 11:22–23

यरूशलेम से आए बरनबास ने अन्ताकिया में विश्वास करने वाले यूनानियों से क्या कहा?

बरनबास ने यूनानियों को उपदेश दिया कि वे तन मन लगाकर प्रभु से लिपटे रहें।

प्रेरितों के काम 11:26

बरनबास और शाऊल ने अन्ताकिया की कलीसिया में कितना समय बिताया?

बरनबास और शाऊल ने अन्ताकिया की कलीसिया में पूरे एक वर्ष का समय बिताया।

प्रेरितों के काम 11:26 (#2)

अन्ताकिया में चेलों को सबसे पहले कौन सा नाम मिला?

चेले सबसे पहले अन्ताकिया ही में मसीही कहलाए।

प्रेरितों के काम 11:28

अगबुस भविष्यद्वक्ता ने भविष्यद्वाणी की कि क्या होने वाला है?

अगबुस ने भविष्यद्वाणी की कि सारे जगत में बड़ा अकाल पड़ेगा।

प्रेरितों के काम 11:29-30

चेलों ने अगबुस की भविष्यद्वाणी पर क्या प्रतिक्रिया दिखाई?

चेलों ने अपनी-अपनी पूँजी के अनुसार यहूदिया में रहनेवाले भाइयों की सेवा के लिये बरनबास और शाऊल के हाथ भेज दिया ।

प्रेरितों के काम 12:2

हेरोदेस राजा ने यूहन्ना के भाई याकूब के साथ क्या किया?

हेरोदेस राजा ने यूहन्ना के भाई याकूब को तलवार से मरवा डाला।

प्रेरितों के काम 12:3-4

हेरोदेस राजा ने पतरस के साथ क्या किया?

हेरोदेस ने पतरस को पकड़कर बन्दीगृह में डाला, इस मनसा से कि फसह के बाद उन्हें लोगों के सामने लाए।

प्रेरितों के काम 12:5

कलीसिया पतरस के लिये क्या कर रही थी?

कलीसिया पतरस के लिये लौ लगाकर प्रार्थना कर रही थी।

प्रेरितों के काम 12:8-10

पतरस पहले और दूसरे पहरे से निकलकर लोहे के फाटक से बाहर कैसे निकले?

पतरस स्वर्गदूत के पीछे होते हुए पहरे से निकल गया, और फिर फाटक अपने आप खुल गया।

प्रेरितों के काम 12:13-14

जब पतरस उस घर में पहुँचे जहाँ विश्वासी प्रार्थना कर रहे थे, तो फाटक को कौन सुनने आया और उन्होंने क्या किया?

रूदे नामक एक दासी फाटक को सुनने आई और बताया कि पतरस द्वार पर खड़े थे, लेकिन उन्होंने फाटक नहीं खोला।

प्रेरितों के काम 12:15

उनके समाचार पर विश्वासियों ने पहली प्रतिक्रिया कैसे दी?

पहले उन्हें लगा कि रूदे पागल थी।

प्रेरितों के काम 12:17

विश्वासियों को यह बताने के बाद कि उनके साथ क्या हुआ था, पतरस ने उनसे क्या करने के लिये कहा?

पतरस ने उनसे कहा कि वे यह बात याकूब और भाइयों को कह देना।

प्रेरितों के काम 12:19

पतरस के पहरुओं के साथ क्या हुआ?

हेरोदेस ने पहरुओं की जाँच करने के बाद उन्हें मार डाला।

प्रेरितों के काम 12:22

जब हेरोदेस व्याख्यान देने लगा, तो लोगों ने क्या पुकारा?

लोग पुकार उठे, "यह तो मनुष्य का नहीं ईश्वर का शब्द है"!

प्रेरितों के काम 12:23

व्याख्यान देने के बाद हेरोदेस के साथ क्या हुआ, और क्यों?

क्योंकि उसने परमेश्वर की महिमा नहीं की, स्वर्गदूत ने उसे आघात पहुँचाया, और उसके शरीर में कीड़े पड़ गए और वह मर गया।

प्रेरितों के काम 12:24

इस समय परमेश्वर के वचन के साथ क्या हो रहा था?

इस समय परमेश्वर का वचन बढ़ता और फैलता गया।

प्रेरितों के काम 12:25

बरनबास और शाऊल किसे अपने साथ लेकर आए?

बरनबास और शाऊल यूहन्ना को जो मरकुस कहलाता है, को अपने साथ लेकर आए।

प्रेरितों के काम 13:2

जब पवित्र आत्मा ने अन्ताकिया की कलीसिया से बात की तो वे क्या कर रहे थे?

अन्ताकिया में कलीसिया उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे जब पवित्र आत्मा ने उनसे बात किया।

प्रेरितों के काम 13:2 (#2)

पवित्र आत्मा ने उन्हें क्या करने को कहा?

पवित्र आत्मा ने उनसे बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करने के लिये कहा, जिसके लिये आत्मा उन्हें बुला रही थी।

प्रेरितों के काम 13:3

पवित्र आत्मा की बात सुनने के बाद कलीसिया ने क्या किया?

कलीसिया ने उपवास और प्रार्थना करके बरनबास और शाऊल पर हाथ रखकर उन्हें विदा किया।

प्रेरितों के काम 13:5

जब बरनबास और शाऊल सलमीस को गए, तो उनके साथ और कौन थे?

सलमीस में, यूहन्ना उनके सेवक के रूप में उनके साथ थे।

प्रेरितों के काम 13:6–7

बार-यीशु कौन थे?

बार-यीशु एक यहूदी और झूठा भविष्यद्वक्ता था जो हाकिम के साथ था।

प्रेरितों के काम 13:7

हाकिम ने बरनबास और शाऊल को क्यों बुलाया था?

हाकिम ने बरनबास और शाऊल को बुलाया क्योंकि वह परमेश्वर का वचन सुनना चाहता था।

प्रेरितों के काम 13:9

शाऊल को और किस नाम से जाना जाता था?

शाऊल को पौलुस के नाम से भी जाना जाता था।

प्रेरितों के काम 13:11

पौलुस ने कहा कि बार-यीशु के साथ क्या होगा क्योंकि उसने हाकिम को विश्वास के विरुद्ध करने का प्रयास किया?

पौलुस ने बार-यीशु से कहा कि वह कुछ समय तक अंधा रहेगा।

प्रेरितों के काम 13:12

जब हाकिम ने देखा कि बार-यीशु के साथ क्या हुआ, तो उन्होंने कैसे प्रतिक्रिया दी?

हाकिम ने विश्वास किया।

प्रेरितों के काम 13:13

जब पौलुस और उनके साथी जहाज खोलकर पिरगा को आए, तब यूहन्ना ने क्या किया?

यूहन्ना ने पौलुस और उनके साथी को छोड़कर यरूशलेम को लौट गए।

प्रेरितों के काम 13:15

पिसिदिया के अन्ताकिया में पौलुस से कहाँ पर उपदेश देने के लिये कहा गया था?

पिसिदिया के अन्ताकिया में, पौलुस से यहूदियों के आराधनालय में उपदेश देने के लिये कहा गया था।

प्रेरितों के काम 13:17

पौलुस के उपदेश में, पौलुस कहते हैं कि परमेश्वर ने पहले किन्हें चुना था?

पौलुस के उपदेश में, पौलुस ने कहा कि परमेश्वर ने इस्राएल को चुना था।

प्रेरितों के काम 13:23

किसके वंश से परमेश्वर ने इस्राएल के लिये एक उद्धारकर्ता को भेजा?

राजा दाऊद के वंश से परमेश्वर ने इस्राएल के लिये एक उद्धारकर्ता को भेजा।

प्रेरितों के काम 13:24–25

पौलुस ने कहा कि आनेवाले उद्धारकर्ता के लिये मार्ग किसने तैयार किया?

पौलुस ने कहा कि आनेवाले उद्धारकर्ता के लिये मार्ग यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने तैयार किया था।

प्रेरितों के काम 13:27

यरूशलेम के रहनेवालों और उनके सरदारों ने भविष्यद्वक्ताओं की बातें को कैसे पूरा किया?

यरूशलेम के रहनेवालों और उनके सरदारों ने यीशु को मृत्यु का दोषी ठहराकर भविष्यद्वक्ताओं की बातों को पूरा किया।

प्रेरितों के काम 13:31

अब लोगों के सामने यीशु के गवाह कौन थे?

जिन लोगों ने यीशु को मरे हुओं में से जी उठने के बाद देखा था, वे अब उनके गवाह थे।

प्रेरितों के काम 13:33

परमेश्वर ने कैसे दिखाया कि उन्होंने यहूदियों से की अपनी प्रतिज्ञा पूरी की थी?

परमेश्वर ने यह दिखाने के लिये यीशु को जिलाकर दिखाया कि उन्होंने यहूदियों से अपनी प्रतिज्ञा पूरी की थी।

प्रेरितों के काम 13:35

भजन संहिता में से एक में परमेश्वर ने पवित्र जन से क्या प्रतिज्ञा की थी?

परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की थी कि पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।

प्रेरितों के काम 13:38

पौलुस ने क्या समाचार दिया उन सबके लिये जो यीशु पर विश्वास करते हैं?

पौलुस ने उन सब के लिये पापों की क्षमा का समाचार दिया जो यीशु पर विश्वास करते हैं।

प्रेरितों के काम 13:40–41

पौलुस ने अपने सुननेवालों को क्या चेतावनी दी?

पौलुस ने अपने सुननेवालों को चेतावनी दी कि वे उन लोगों के समान न बनें जिनके विषय में भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तक में बताया है कि वे परमेश्वर के काम की चर्चा तो सुनते हैं, परन्तु उस पर विश्वास नहीं करते।

प्रेरितों के काम 13:44

अन्ताकिया में अगले सब्त के दिन परमेश्वर का वचन सुनने कौन आए?

अगले सब्त के दिन नगर के प्रायः सब लोग परमेश्वर का वचन सुनने के लिये आए।

प्रेरितों के काम 13:45

यहूदी ने भीड़ को देखकर कैसी प्रतिक्रिया दी?

यहूदी ईर्ष्या से भरे गए और निन्दा करते हुए पौलुस की बातों के विरोध में बोलने लगे।

प्रेरितों के काम 13:46

पौलुस ने क्या कहा कि यहूदी परमेश्वर के वचन के साथ क्या कर रहे थे, जो उन्हें सुनाया गया था?

पौलुस ने कहा कि यहूदी परमेश्वर के वचन को दूर कर रहे थे, जो उन्हें सुनाया गया था।

प्रेरितों के काम 13:48

जब अन्यजातियों ने सुना कि पौलुस उनकी ओर फिरते हैं, तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी?

अन्यजाति आनन्दित हुए और परमेश्वर के वचन की बड़ाई करने लगे।

प्रेरितों के काम 13:48 (#2)

कितने अन्यजातियों ने विश्वास किया?

जितने अनन्त जीवन के लिये ठहराए गए थे, उन्होंने विश्वास किया।

प्रेरितों के काम 13:50

फिर यहूदियों ने पौलुस और बरनबास के साथ क्या किया?

यहूदियों ने पौलुस और बरनबास पर उपद्रव करवाकर उन्हें अपनी सीमा से बाहर निकाल दिया।

प्रेरितों के काम 13:51

पौलुस और बरनबास ने इकुनियुम नगर जाने से पहले क्या किया?

पौलुस और बरनबास ने अन्ताकिया नगर के लोगों के सामने अपने पाँवों की धूल झाड़ दी जिन्होंने उन्हें बाहर निकाल दिया था।

प्रेरितों के काम 14:1–2

जब बहुतों ने पौलुस और बरनबास के प्रचार पर विश्वास किया, तो इकुनियुम के विश्वास न करनेवाले यहूदियों ने क्या किया?

विश्वास न करनेवाले यहूदियों ने अन्यजातियों के मन भाइयों के विरोध में भड़काया, और कटुता उत्पन्न कर दी।

प्रेरितों के काम 14:3

परमेश्वर ने अपने अनुग्रह के वचन की गवाही कैसे दी?

परमेश्वर ने पौलुस और बरनबास के हाथों से चिन्ह और अद्‌भुत काम करवाकर अपने अनुग्रह के वचन की गवाही दी।

प्रेरितों के काम 14:5–7

पौलुस और बरनबास ने इकुनियुम को क्यों छोड़ा?

कुछ अन्यजाति और यहूदी पौलुस और बरनबास का अपमान और उन्हें पथराव करने के लिये अपने सरदारों समेत उन पर दौड़े।

प्रेरितों के काम 14:8–10

पौलुस ने ऐसा क्या किया जिससे लुस्त्रा में हुल्लड़ मच गया?

पौलुस ने एक मनुष्य को चंगा किया जो जन्म ही से लँगड़ा था।

प्रेरितों के काम 14:11–13

लुस्त्रा के लोग पौलुस और बरनबास के लिये क्या करना चाहते थे?

लोग ज्यूस के पुजारी के द्वारा पौलुस और बरनबास को बलिदान चढ़ाना चाहते थे।

प्रेरितों के काम 14:14–15

बरनबास और पौलुस ने कैसी प्रतिक्रिया दी जो लोग उनके लिये करना चाहते थे?

बरनबास और पौलुस ने कपड़े फाड़े, और भीड़ की ओर लपक गए, और पुकारकर कहने लगे कि लोग इन व्यर्थ वस्तुओं से अलग होकर जीविते परमेश्वर की ओर फिरना चाहिए।

प्रेरितों के काम 14:17

परमेश्वर ने बीते समयों में अपने आपको बे-गवाह कैसे नहीं छोड़ा?

परमेश्वर ने जातियों को वर्षा और फलवन्त ऋतु दी, और उनके मन को भोजन और आनन्द से भर दिया।

प्रेरितों के काम 14:18

लुस्त्रा के लोग पौलुस और बरनबास के लिये क्या करना चाहते थे?

लोग पौलुस और बरनबास को बलिदान चढ़ाना चाहते थे।

प्रेरितों के काम 14:19

लुस्त्रा में भीड़ ने बाद में पौलुस के साथ क्या किया?

लुस्त्रा में भीड़ ने बाद में पौलुस पर पथराव किया और मरा समझकर उन्हें नगर के बाहर घसीट ले गए।

प्रेरितों के काम 14:20

जब चेले पौलुस के चारों ओर आ खड़े हुए, तो पौलुस ने क्या किया?

पौलुस उठकर फिर से नगर में गए।

प्रेरितों के काम 14:22

पौलुस ने कहा कि चेले को परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने के लिये क्या करना होगा?

पौलुस ने कहा कि चेले को बड़े क्लेश उठाकर परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना होगा।

प्रेरितों के काम 14:23

पौलुस और बरनबास ने हर एक विश्वासियों की कलीसिया में विदा होने से पहले क्या किया?

हर कलीसिया में, पौलुस और बरनबास ने प्राचीन ठहराए, उपवास सहित प्रार्थना की, और विश्वासियों को प्रभु के हाथों में सौंप दिया।

प्रेरितों के काम 14:27

जब पौलुस और बरनबास अन्ताकिया लौटे तो उन्होंने क्या किया?

जब वे अन्ताकिया लौटे, तो उन्होंने कलीसिया इकट्ठी की और सब कुछ बताया जो परमेश्वर ने उनके साथ किया और अन्यजातियों के लिये विश्वास का द्वार खोला।

प्रेरितों के काम 15:1

यहूदिया से कुछ लोगों ने आकर भाइयों को क्या सिखाया?

यहूदिया से आकर कुछ लोगों ने सिखाया कि जब तक भाइयों का खतना नहीं होता, वे उद्धार नहीं पा सकते।

प्रेरितों के काम 15:2

भाइयों ने यह कैसे ठहराया कि इस बात के विषय का हल निकाला जाना चाहिए?

भाइयों ने ठहराया कि पौलुस, बरनबास, और उनमें से कुछ व्यक्ति इस बात के विषय में प्रेरितों और प्राचीनों के पास यरूशलेम में जाना चाहिए।

प्रेरितों के काम 15:3

फीनीके और सामरिया से होते हुए गए, तब पौलुस और उनके साथियों ने क्या समाचार सुनाया?

पौलुस और उनके साथियों ने अन्यजातियों के मन फिराने का समाचार सुनाया।

प्रेरितों के काम 15:5

विश्वासियों में से कौन से पंथ का विचार था कि अन्यजातियों का खतना होना चाहिए और मूसा की व्यवस्था माननी चाहिए?

फरीसियों के पंथ का मानना था कि अन्यजातियों का खतना होना चाहिए और मूसा की व्यवस्था माननी चाहिए।

प्रेरितों के काम 15:8–9

पतरस ने क्या कहा कि परमेश्वर ने अन्यजातियों को क्या दिया और उनके लिये क्या किया?

पतरस ने कहा कि परमेश्वर ने अन्यजातियों को पवित्र आत्मा दिया और विश्वास के द्वारा उनके मन शुद्ध किए।

प्रेरितों के काम 15:11

पतरस ने यह कैसे कहा कि यहूदी और अन्यजाति दोनों ने उद्धार पाया है?

पतरस ने कहा कि यहूदी और अन्यजाति दोनों प्रभु यीशु के अनुग्रह से ही उद्धार पाए हैं।

प्रेरितों के काम 15:12

पौलुस और बरनबास ने सभा को क्या सुनाया?

पौलुस और बरनबास ने बताया की परमेश्वर ने अन्यजातियों में कैसे-कैसे बड़े चिन्ह, और अद्‌भुत काम दिखाए।

प्रेरितों के काम 15:16–17

याकूब ने जो भविष्यद्वाणी उद्‌धृत की थी उसमें क्या कहा गया था कि परमेश्वर पुनःनिर्माण करेंगे, और इसमें कौन शामिल होंगे?

भविष्यद्वाणी ने में कहा गया था कि परमेश्वर दाऊद का गिरा हुआ डेरा उठाएँगे, और इसमें अन्यजातियों को भी शामिल करेंगे।

प्रेरितों के काम 15:20

याकूब ने अन्यजाति जो परमेश्वर की ओर फिरते है, उनको क्या आज्ञा देने का विचार दिया?

याकूब ने विचार दिया कि अन्यजाति जो परमेश्वर की ओर फिरते है उनको मूरतों की अशुद्धताओं, और व्यभिचार और गला घोंटे हुओं के माँस से और लहू से परे रहें की आज्ञा दी।

प्रेरितों के काम 15:28

अन्यजातियों को लिखी गई पत्री में किसके विषय में कहा गया है कि वह केवल कुछ आवश्यक बातें देने के निष्कर्ष से सहमत है?

पत्री के लेखक और पवित्र आत्मा के विषय में कहा गया है कि वे इन निष्कर्षों से सहमत हैं।

प्रेरितों के काम 15:31

जब अन्यजातियों ने यरूशलेम से आई पत्री सुनी तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी?

अन्यजाति पत्री में उपदेश की बातों से अति आनन्दित हुए।

प्रेरितों के काम 15:35

अन्ताकिया में रहते हुए पौलुस और बरनबास ने क्या किया?

पौलुस और बरनबास ने प्रभु के वचन का उपदेश दिया और सुसमाचार सुनाया।

प्रेरितों के काम 15:36

पौलुस ने बरनबास से क्या कहा कि वे क्या करना चाहते हैं?

पौलुस ने बरनबास से कहा कि वे जिन-जिन नगरों में प्रभु का वचन सुनाया था, उनमें फिर जाकर अपने भाइयों से मिलें।

प्रेरितों के काम 15:39

पौलुस और बरनबास एक दूसरे से अलग होकर अलग-अलग दिशाओं में क्यों यात्रा की?

उनके बीच ऐसा विवाद उठा कि मरकुस को उनके साथ ले जाना चाहिए या नहीं, इसलिए वे एक दूसरे से अलग हो गए।

प्रेरितों के काम 16:3

पौलुस ने तीमुथियुस के साथ यात्रा करने से पहले क्या किया, और क्यों?

पौलुस ने तीमुथियुस का खतना किया क्योंकि उस स्थान में रहनेवाले यहूदी जानते थे कि तीमुथियुस का पिता यूनानी था।

प्रेरितों के काम 16:4

पौलुस ने नगर-नगर जाते हुए कलीसिया को क्या विधियाँ दी?

पौलुस ने वे विधियाँ दी जो प्रेरितों और प्राचीनों द्वारा यरूशलेम में ठहराई गई थी। ये विधियाँ प्रेरितों और प्राचीनों द्वारा

यरूशलेम में ठहराए गए आज्ञाओं का पालन करने के लिये था।

प्रेरितों के काम 16:9

पौलुस ने कैसे जाना कि परमेश्वर उन्हें मकिदुनिया में सुसमाचार सुनाने के लिये बुला रहे हैं?

पौलुस ने एक दर्शन देखा कि मकिदुनी पुरुष उन्हें विनती कर रहा था कि वे आकर उनकी सहायता करे।

प्रेरितों के काम 16:13

सब्त के दिन पौलुस फाटक के बाहर नदी के किनारे क्यों गए?

पौलुस ने सोचा कि वहाँ प्रार्थना करने का स्थान होगा।

प्रेरितों के काम 16:14

जब पौलुस बात कर रहे थे तब प्रभु ने लुदिया के लिये क्या किया?

प्रभु ने लुदिया का मन खोला, ताकि पौलुस की बातों पर ध्यान लगाए।

प्रेरितों के काम 16:15

नदी के किनारे पौलुस के बोलने के बाद किसका बपतिस्मा हुआ?

पौलुस के बोलने के बाद लुदिया और उनके घराने का बपतिस्मा हुआ।

प्रेरितों के काम 16:16

दासी जिसमें भावी कहनेवाली आत्मा ने अपने स्वामियों के लिये कैसे कमा लाती थी?

वह भावी कहकर अपने स्वामियों के लिये बहुत कुछ कमा लाती थी।

प्रेरितों के काम 16:17–18

जब वह दासी बहुत दिन तक पौलुस के पीछे चल रही थी, तो पौलुस ने क्या किया?

पौलुस ने मुड़कर यीशु मसीह के नाम से आत्मा को उसमें से बाहर निकल जाने की आज्ञा दी।

प्रेरितों के काम 16:21

दासी के स्वामियों ने पौलुस और सीलास पर क्या दोष लगाया?

उन्होंने पौलुस और सीलास पर दोष लगाया की वे ऐसी रीतियाँ बता रहे हैं, जिन्हें ग्रहण करना या मानना रोमियों के लिये ठीक नहीं है।

प्रेरितों के काम 16:22–24

पौलुस और सीलास को हाकिमों से क्या दण्ड मिला?

उन्हें बेंत लगवाया गया, बन्दीगृह में डाल दिया गया और पाँव काठ में ठोंक दिया गया।

प्रेरितों के काम 16:25

आधी रात के लगभग पौलुस और सीलास बन्दीगृह में क्या कर रहे थे?

वे प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे।

प्रेरितों के काम 16:26

ऐसा क्या हुआ कि दरोगा ने अपने आपको मार डालने की तैयारी कर ली?

एक बड़ा भूकम्प हुआ, बन्दीगृह के सब द्वार खुल गए; और सब के बन्धन खुल गए।

प्रेरितों के काम 16:30

दरोगा ने पौलुस और सीलास से क्या प्रश्न पूछा?

दरोगा ने पौलुस और सीलास से पूछा, "हे सज्जनों, उद्धार पाने के लिये मैं क्या करूँ?"

प्रेरितों के काम 16:31

पौलुस और सीलास ने दरोगा को क्या उत्तर दिया?

पौलुस और सीलास ने उत्तर दिया, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।"

प्रेरितों के काम 16:33

उस रात किसका बपतिस्मा हुआ?

उस रात दरोगा और अपने घराने समेत बपतिस्मा लिया।

प्रेरितों के काम 16:37–38

पौलुस और सीलास को छोड़ देने की आज्ञा भेजने के बाद हाकिम किस बात से डर गए?

हाकिम डर गए क्योंकि उन्हें पता चला कि उन्होंने दो रोमी मनुष्य को दोषी ठहराए बिना लोगों के सामने मारा, जो रोमी व्यवस्था के विरुद्ध था।

प्रेरितों के काम 16:40

जब हाकिमों ने उन्हें नगर से चले जाने को कहा, तो पौलुस और सीलास ने क्या किया?

पौलुस और सीलास लुदिया के यहाँ गए, भाइयों को शान्ति दी, और फिर फिलिप्पी से चले गए।

प्रेरितों के काम 17:1–2

थिस्सलुनीके पहुँचने पर, पौलुस ने यीशु के विषय में पवित्रशास्त्र से वाद-विवाद करने के लिये सबसे पहले कहाँ गए?

पौलुस पहले यहूदियों का एक आराधनालय में गए ताकि पवित्रशास्त्रों से यीशु के विषय में वाद-विवाद कर सकें।

प्रेरितों के काम 17:3

पौलुस ने क्या दिखाया कि पवित्रशास्त्रों में अवश्य था?

पौलुस ने दिखाया कि मसीह का दुःख उठाना, और मरे हुओं में से जी उठना अवश्य था।

प्रेरितों के काम 17:7

पौलुस और सीलास पर नगर के हाकिमों के सामने क्या दोष लगाए गए थे?

पौलुस और सीलास पर कैसर की आज्ञाओं का विरोध करने का आरोप लगाया गया, यह कहते हुए कि एक और राजा यीशु है।

प्रेरितों के काम 17:10

जब पौलुस और सीलास बिरीया पहुँचे तो वे कहाँ गए?

पौलुस और सीलास यहूदियों के आराधनालय में गए।

प्रेरितों के काम 17:11

जब बिरीया के लोगों ने पौलुस का वचन सुना तो उन्होंने क्या किया?

बिरीया के लोगों ने वचन को ग्रहण किया और पवित्रशास्त्रों में ढूँढ़ते रहे कि ये बातें जो पौलुस ने की है ऐसी ही हैं कि नहीं।

प्रेरितों के काम 17:13–14

पौलुस को बिरीया क्यों छोड़ना पड़ा?

पौलुस को बिरीया छोड़ना पड़ा क्योंकि थिस्सलुनीके के यहूदी ने बिरीया में लोगों को भड़काया।

प्रेरितों के काम 17:17

जब पौलुस एथेंस पहुँचे, तो वे कहाँ गए?

पौलुस यहूदियों के आराधनालय और चौक में पवित्रशास्त्रों से वाद-विवाद करने के लिये गए।

प्रेरितों के काम 17:19–20

पौलुस को अपने मत को और अधिक समझाने के लिये कहाँ लाए गए थे?

पौलुस को अपने मत को और अधिक समझाने के लिये अरियुपगुस में लाए गए।

प्रेरितों के काम 17:23

पौलुस को एथेंस में कौन सी वेदी मिली, जिसे वह लोगों को समझाना चाहते थे?

पौलुस ने एक वेदी देखी जिस पर लिखा था, "अनजाने ईश्वर के लिये," जिसे वह लोगों को समझाना चाहते थे।

प्रेरितों के काम 17:25

पौलुस ने कहा कि परमेश्वर जिन्होंने सब वस्तुओं को बनाया है, वह लोगों को क्या देते हैं?

पौलुस ने कहा परमेश्वर जिन्होंने सब वस्तुओं को बनाया है, लोगों को जीवन और श्वास और सब कुछ देते हैं।

प्रेरितों के काम 17:26

परमेश्वर ने हर जाति को किससे बनाई?

परमेश्वर ने एक ही मूल से मनुष्यों की सब जातियाँ बनाई।

प्रेरितों के काम 17:27

पौलुस ने कहा कि परमेश्वर किसी से कितने दूर हैं?

पौलुस ने कहा कि परमेश्वर किसी से दूर नहीं हैं।

प्रेरितों के काम 17:29

पौलुस ने कहा कि हमें परमेश्वर को किस प्रकार नहीं समझना चाहिए?

पौलुस ने कहा कि हमें परमेश्वर को सोने, चाँदी, या पत्थरों के समान नहीं समझना चाहिए, जो मनुष्यों द्वारा गढ़े गए है।

प्रेरितों के काम 17:30

अब परमेश्वर सभी मनुष्यों को हर जगह क्या करने के लिये आज्ञा देते हैं?

परमेश्वर अब सभी मनुष्यों को हर जगह मन फिराने की आज्ञा देते हैं।

प्रेरितों के काम 17:31

परमेश्वर ने एक दिन किस लिये ठहराया है?

परमेश्वर ने एक दिन इसलिए ठहराया है क्योंकि यीशु धार्मिकता से जगत का न्याय करेंगे।

प्रेरितों के काम 17:31 (#2)

परमेश्वर ने कौन सा प्रमाण दिया है कि यीशु को जगत के न्यायी के रूप में ठहराए गए है?

परमेश्वर ने यीशु को मरे हुओं में से जिलाकर यह प्रमाणित किया है कि वही जगत के न्यायी ठहराए गए हैं।

प्रेरितों के काम 17:32

जब कुछ लोगों ने पौलुस को मरे हुओं के पुनरुत्थान की बात सुनी तो उन्होंने क्या किया?

कुछ लोग पौलुस का उपहास करने लगे जब उन्होंने उनसे मरे हुओं के पुनरुत्थान की बात सुनी।

प्रेरितों के काम 17:34

क्या किसी ने विश्वास किया जो पौलुस ने कहा था?

हाँ, कुछ मनुष्यों और एक स्त्री ने पौलुस पर विश्वास किया, और उनके साथ और भी कितने लोगों ने भी किया।

प्रेरितों के काम 18:3

पौलुस ने अपना पालन-पोषण करने के लिये कौन-सा काम किया?

पौलुस ने अपने पालन-पोषण करने के लिये तम्बू बनाने का व्यापार किया।

प्रेरितों के काम 18:5

पौलुस ने कुरिन्थुस में यहूदियों को क्या गवाही दी?

पौलुस ने यहूदियों को गवाही दी कि यीशु ही मसीह है।

प्रेरितों के काम 18:6

जब यहूदियों ने पौलुस का विरोध और निन्दा की तो उन्होंने क्या किया?

पौलुस ने यहूदियों से कहा कि उनका लहू उनके सिर पर रहे, और फिर वे अन्यजातियों के पास गए।

प्रेरितों के काम 18:9–10

कुरिन्थुस में पौलुस को प्रभु से क्या शान्ति मिली?

प्रभु ने पौलुस से कहा कि कहते जाओ, क्योंकि वहाँ कोई उनको हानि नहीं पहुँचाएगा।

प्रेरितों के काम 18:12–13

यहूदियों ने राज्यपाल के सामने पौलुस के विरुद्ध क्या आरोप लगाया?

यहूदियों ने पौलुस पर लोगों को व्यवस्था के विपरीत उपासना करने का उपदेश देने का आरोप लगाया।

प्रेरितों के काम 18:15

पौलुस के विरुद्ध यहूदियों के आरोपों पर राज्यपाल ने क्या प्रतिक्रिया दी?

राज्यपाल ने कहा कि वे यहूदियों की व्यवस्था का न्यायी बनना नहीं चाहता।

प्रेरितों के काम 18:18–19

कौन से पति-पत्नी पौलुस के साथ इफिसुस गए?

प्रिस्किल्ला और अक्विला पौलुस के साथ इफिसुस गए।

प्रेरितों के काम 18:22

इफिसुस छोड़ने के बाद पौलुस सबसे पहले किन दो स्थानों पर गए?

इफिसुस छोड़ने के बाद, पौलुस यरूशलेम की कलीसिया को नमस्कार करने के लिये गए और फिर अन्ताकिया को गए।

प्रेरितों के काम 18:25

अपुल्लोस ने कौनसी शिक्षा को ठीक-ठीक समझा, और किस मार्ग में उसे और ज्यादा शिक्षा की आवश्यकता थी?

अपुल्लोस ने यीशु के विषय में ठीक-ठीक सुनाता, परन्तु वे केवल यूहन्ना के बपतिस्मा की बात जानते थे।

प्रेरितों के काम 18:26

प्रिस्किल्ला और अक्विला ने अपुल्लोस के लिये क्या किया?

प्रिस्किल्ला और अक्विला अपुल्लोस के मित्र बन गए और उन्होंने परमेश्वर का मार्ग उनको और भी स्पष्ट रूप से बताया।

प्रेरितों के काम 18:28

अपुल्लोस अपनी प्रभावशाली प्रचार और पवित्रशास्त्र के ज्ञान से क्या कर पाए?

अपुल्लोस यहूदियों को सार्वजनिक रूप से अभिभूत करने में सक्षम थे, प्रमाण देकर बताया कि यीशु ही मसीह है।

प्रेरितों के काम 19:2

इफिसुस में पौलुस से मिले चेलों ने विश्वास करते समय क्या नहीं सुना था?

चेलों ने पवित्र आत्मा के विषय में नहीं सुना था।

प्रेरितों के काम 19:4

यूहन्ना का बपतिस्मा किस प्रकार का बपतिस्मा था?

यूहन्ना का बपतिस्मा मन फिराव का बपतिस्मा था।

प्रेरितों के काम 19:4 (#2)

यूहन्ना ने लोगों को किस पर विश्वास करने को कहा था?

यूहन्ना ने लोगों से कहा था कि वे उनके बाद आनेवाले पर विश्वास करें, अर्थात यीशु पर।

प्रेरितों के काम 19:5

फिर पौलुस ने इफिसुस के चेलों को किस नाम से बपतिस्मा दिया?

पौलुस ने उन्हें प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा दिया।

प्रेरितों के काम 19:6

बपतिस्मा लेने और पौलुस द्वारा उन पर हाथ रखने के बाद उन लोगों के साथ क्या हुआ?

उन पर पवित्र आत्मा उतरा और वे भिन्न-भिन्न भाषा बोलने और भविष्यद्वाणी करने लगे।

प्रेरितों के काम 19:9

जब इफिसुस के कुछ यहूदियों ने मसीह के इस पंथ को बुरा कहने लगे, तो पौलुस ने क्या किया?

पौलुस विश्वासियों को छोड़ दिया और तुरन्नुस की पाठशाला में वाद-विवाद करने लगे।

प्रेरितों के काम 19:12

परमेश्वर ने पौलुस के हाथों कौन से विशेष अद्‌भुत काम दिखाए?

जब पौलुस की देह से स्पर्श कराकर रूमाल और अँगोछे बीमारों पर डाले गए, उनकी बीमारियाँ दूर हो जाती थी और दुष्टात्माएँ उनमें से निकल जाया करती थीं।

प्रेरितों के काम 19:16

जब सात यहूदी जो झाड़ा फूँकी करनेवालों ने यीशु के नाम से एक दुष्ट आत्मा को निकालने का प्रयास किया तो क्या हुआ?

दुष्ट आत्मा ने झाड़ा फूँकी करनेवालों पर उपद्रव किया और वे नंगे और घायल होकर निकल भागे।

प्रेरितों के काम 19:19

इफिसुस में, जादू-टोना करनेवालों में बहुतों ने क्या किया?

जादू-टोना करनेवालों में बहुतों ने इफिसुस में अपनी-अपनी पोथियाँ इकट्ठी करके सब के सामने जला दीं।

प्रेरितों के काम 19:21

पौलुस ने कहा कि यरूशलेम जाने के बाद वह कहाँ जाएँगे?

पौलुस ने कहा कि वे यरूशलेम जाने के बाद रोम जाएँगे।

प्रेरितों के काम 19:26

दिमेत्रियुस नाम का एक सुनार ने अन्य कारीगरों के प्रति क्या चिन्ताएँ व्यक्त की?

दिमेत्रियुस चिन्तित था कि पौलुस लोगों को यह सिखा रहे थे कि हाथ की कारीगरी ईश्वर नहीं होता, और उनकी देवी अरतिमिस का मन्दिर तुच्छ समझा जाएगा।

प्रेरितों के काम 19:28–29

दिमेत्रियुस की चिन्ताओं पर लोगों ने कैसी प्रतिक्रिया दी?

लोग क्रोध से भर गए और चिल्ला चिल्लाकर कहने लगे कि अरतिमिस, महान है, और सारे नगर में बड़ा कोलाहल मच गया।

प्रेरितों के काम 19:30–31

पौलुस ने भीड़ को क्यों नहीं सम्बोधित किया, यद्यपि वह करना चाहते थे?

चेलों और कुछ हाकिमों ने पौलुस को भीड़ से बात करने की अनुमति नहीं दी क्योंकि भीड़ अत्यधिक उन्माद में थी।

प्रेरितों के काम 19:38

नगर के मंत्री ने लोगों को बलवा करने के बदले क्या करने को कहा?

नगर के मंत्री ने लोगों से कहा कि वे अपना आरोप कचहरी में लाए।

प्रेरितों के काम 19:40

नगर के मंत्री ने लोगों को किस खतरे में बताया?

नगर के मंत्री ने कहा कि आज के बलवे के कारण उन पर दोष लगाए जाने का डर है, इसलिए कि इसका कोई कारण नहीं है, और कोई उत्तर नहीं दे सकेंगे

प्रेरितों के काम 20:3

पौलुस ने अपनी योजना क्यों बदली और वह जहाज पर सीरिया जाने के बदले मकिदुनिया होकर क्यों लौटे?

पौलुस ने अपनी योजनाएँ बदल दी क्योंकि यहूदी उनकी घात में थे जब वह जहाज पर सीरिया जाने वाले थे।

प्रेरितों के काम 20:7

सप्ताह के किस दिन पौलुस और विश्वासी रोटी तोड़ने के लिये इकट्ठे हुए थे?

सप्ताह के पहले दिन पौलुस और विश्वासी रोटी तोड़ने के लिये इकट्ठे हुए थे।

प्रेरितों के काम 20:9–10

उस जवान का क्या हुआ जो पौलुस के बात करते समय खिड़की से बाहर गिर गया था?

जवान तीसरी अटारी पर से गिर पड़ा और मरा हुआ उठाया गया, परन्तु पौलुस उससे लिपट गया और वह जीवित हो गया।

प्रेरितों के काम 20:16

पौलुस यरूशलेम की ओर जाने के लिये जल्दी में क्यों थे?

पौलुस पिन्तेकुस्त के दिन के लिये यरूशलेम जाने की जल्दी में थे।

प्रेरितों के काम 20:18-21

पौलुस ने आसिया में पहुँचते ही यहूदियों और यूनानियों दोनों को किस बात की गवाही दी?

पौलुस ने कहा कि उन्होंने यहूदियों और यूनानियों दोनों को चेतावनी देते रहे कि परमेश्वर की ओर मन फिराए, और प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करे।

प्रेरितों के काम 20:23

जब पौलुस यरूशलेम की ओर जा रहे थे तो पवित्र आत्मा हर नगर में उन्हें किस बात की गवाही दे रहे थे?

पवित्र आत्मा पौलुस को यह गवाही दे रहे थे कि बन्धन और क्लेश उनके लिये तैयार थे।

प्रेरितों के काम 20:24

पौलुस ने प्रभु यीशु से किस प्रकार की सेवकाई पाई थी?

पौलुस की सेवकाई परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार पर गवाही देनी थी।

प्रेरितों के काम 20:26-27

पौलुस ने यह क्यों कहा कि वह सब के लहू से निर्दोष हैं?

पौलुस ने कहा कि वह उनके लहू से निर्दोष हैं क्योंकि उन्होंने परमेश्वर की सारी मनसा को उन्हें बता दी है।

प्रेरितों के काम 20:28

पौलुस ने इफिसियों के प्राचीनों को अपनी विदाई के बाद क्या देख-रेख करने की आज्ञा दी?

पौलुस ने प्राचीनों को झुण्ड की सावधानीपूर्वक देख-रेख करने की आज्ञा दी।

प्रेरितों के काम 20:30

पौलुस ने क्या कहा कि उनके जाने के बाद इफिसियों के प्राचीनों के बीच क्या होगा?

पौलुस ने कहा कि कुछ प्राचीन चेलों को अपने पीछे खींच लेने के लिये टेढ़ी-मेढ़ी बातें कहेंगे।

प्रेरितों के काम 20:32

पौलुस ने इफिसियों के प्राचीनों को किसे सौंपा?

पौलुस ने इफिसियों के प्राचीनों को परमेश्वर को सौंपा।

प्रेरितों के काम 20:34-35

परिश्रम के विषय में पौलुस ने इफिसियों के लिये क्या करके दिखाया?

पौलुस ने अपनी आवश्यकताओं और अपने साथियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये परिश्रम किया।

प्रेरितों के काम 20:38

इफिसियों के प्राचीनों को सबसे अधिक शोक किस बात से हुआ?

इफिसियों के प्राचीनों सबसे अधिक शोकित हुए क्योंकि पौलुस ने कहा था कि वे उनका मुँह फिर न देखेंगे।

प्रेरितों के काम 21:4

सोर में चेलों ने आत्मा के सिखाए पौलुस से क्या कहा?

चेलों ने आत्मा के सिखाए पौलुस से कहा कि उन्हें यरूशलेम में पाँव नहीं रखना चाहिए।

प्रेरितों के काम 21:9

हम फिलिप्पुस सुसमाचार प्रचारक के बच्चों के विषय में क्या जानते हैं?

फिलिप्पुस की चार कुँवारी पुत्रियाँ थीं जो भविष्यद्वाणी करती थीं।

प्रेरितों के काम 21:11

अगबुस भविष्यद्वक्ता ने पौलुस से क्या कहा?

अगबुस ने पौलुस से कहा कि यरूशलेम में यहूदी पौलुस को बाँधेंगे और उन्हें अन्यजातियों के हाथ में सौंपेंगे।

प्रेरितों के काम 21:13

जब सब लोगों ने पौलुस से यरूशलेम न जाने की विनती की, तो उन्होंने क्या कहा?

पौलुस ने कहा कि वे प्रभु यीशु के नाम के लिये यरूशलेम में न केवल बाँधे जाने ही के लिये वरन् मरने के लिये भी तैयार है।

प्रेरितों के काम 21:18

जब पौलुस यरूशलेम पहुँचे तो वह किनसे मिले?

पौलुस याकूब और सब प्राचीनों से मिले।

प्रेरितों के काम 21:21

यहूदी पौलुस पर क्या दोष लगा रहे थे?

यहूदी पौलुस पर यह दोष लगा रहे थे कि वह अन्यजातियों में रहनेवाले यहूदियों को मूसा से फिर जाने को सीखा रहे थे।

प्रेरितों के काम 21:24

याकूब और प्राचीन क्यों चाहते थे कि पौलुस उन चार मनुष्यों के साथ अपने आप को शुद्ध करे जिन्होंने मन्नत मानी थी?

वे चाहते थे कि सब लोग जान लें कि पौलुस, जो यहूदी है, व्यवस्था को मानकर उसके अनुसार चलते हैं।

प्रेरितों के काम 21:25

याकूब ने कहा विश्वास करनेवाले अन्यजातियों को क्या करना चाहिए?

याकूब ने कहा कि अन्यजातियों को मूर्तियों के सामने बलि किए हुए माँस से, और लहू से, और गला घोंटे हुओं के माँस से, और व्यभिचार से, बचे रहना चाहिए।

प्रेरितों के काम 21:28

आसिया के कुछ यहूदियों ने मन्दिर में पौलुस पर कौन से दोष लगाए?

यहूदियों ने पौलुस पर व्यवस्था के विरोध सीखाने और यूनानियों को मन्दिर में लाकर उसे अपवित्र करने का दोष लगाए।

प्रेरितों के काम 21:30–31

इन दोष को लगाने के बाद, यहूदियों ने पौलुस के साथ क्या किया?

यहूदी ने पौलुस को पकड़कर मन्दिर के बाहर घसीटा और उन्हें मार डालना चाहा।

प्रेरितों के काम 21:33

जब सैन्य-दल के सरदार ने सुना कि यरूशलेम में कोलाहल मच रहा है, तो उन्होंने क्या किया?

सैन्य-दल के सरदार ने पौलुस को पकड़ लिया और उन्हें दो जंजीरों से बाँधकर, पूछने लगे कि यह कौन हैं और इन्होंने क्या किया है।

प्रेरितों के काम 21:36

जब सिपाही पौलुस को गढ़ में उठाकर ले जा रहे थे, तो भीड़ क्या चिल्ला रही थी?

भीड़ चिल्ला रही थी, "उसका अन्त कर दो!"

प्रेरितों के काम 21:39

पौलुस ने सैन्य-दल के सरदार से क्या विनती की?

पौलुस ने विनती की कि उन्हें लोगों से बातें करने दी जाए।

प्रेरितों के काम 21:40

पौलुस ने यरूशलेम के लोगों से किस भाषा में बात की?

पौलुस ने यरूशलेम के लोगों से इब्रानी भाषा में बात की।

प्रेरितों के काम 22:2

जब भीड़ ने पौलुस को इब्रानी भाषा में बोलते सुना, तो उन्होंने क्या किया?

जब भीड़ ने पौलुस को इब्रानी भाषा में बोलते सुना, तो वे चुप हो गए।

प्रेरितों के काम 22:3

पौलुस ने कहाँ शिक्षा प्राप्त की, और उनके गुरु कौन थे?

पौलुस ने यरूशलेम में शिक्षा प्राप्त की, और गमलीएल उनके गुरु थे।

प्रेरितों के काम 22:4

पौलुस ने उन लोगों के साथ कैसा व्यवहार किया जो इस पंथ को मानते थे?

पौलुस ने उन लोगों को बाँधा, और बन्दीगृह में डालकर यहाँ तक सताया कि उन्हें मरवा डाला।

प्रेरितों के काम 22:7

जब पौलुस दमिश्क के निकट पहुँचे तो आकाश से वाणी ने उनसे क्या कहा?

आकाश से वाणी सुनी, "हे शाऊल, हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?"

प्रेरितों के काम 22:8

पौलुस किसे सता रहे थे?

पौलुस यीशु नासरी को सता रहे थे।

प्रेरितों के काम 22:11

पौलुस अब क्यों नहीं देख सकते थे?

दमिश्क के निकट पहुँचते समय जिस ज्योति की तेज को पौलुस ने देखा, उसके कारण पौलुस अब नहीं देख सकते थे।

प्रेरितों के काम 22:12–13

पौलुस फिर कैसे देखने लगे?

एक भक्त मनुष्य जिनका नाम हनन्याह था, पौलुस के पास आकर खड़े हुए और कहा, “हे भाई शाऊल, फिर देखने लग।”

प्रेरितों के काम 22:16

हनन्याह ने पौलुस को उठकर क्या करने को कहा और क्यों?

हनन्याह ने पौलुस से कहा कि वह उठकर बपतिस्मा ले और अपने पापों को धो ले।

प्रेरितों के काम 22:18

जब यीशु ने मन्दिर में पौलुस से बात की, तो उन्होंने कहा कि यहूदी उनके विषय में पौलुस की गवाही पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे?

यीशु ने कहा कि यहूदी उनके विषय में पौलुस की गवाही को नहीं मानेंगे।

प्रेरितों के काम 22:21

फिर यीशु ने पौलुस को किसके पास भेजा?

यीशु ने पौलुस को अन्यजातियों के पास भेजा।

प्रेरितों के काम 22:23

जब लोगों ने पौलुस को अन्यजातियों के विषय में बोलते सुना तो उनकी प्रतिक्रिया कैसी थी?

लोगों ने चिल्लाया और अपने कपड़े फेंककर, आकाश में धूल उड़ाए।

प्रेरितों के काम 22:25

पौलुस को कोड़े मारे जाने से ठीक पहले उन्होंने सूबेदार से क्या पूछा?

पौलुस ने पूछा कि क्या यह उचित है कि एक रोमी मनुष्य को बिना दोषी ठहराए कोड़े मारना ।

प्रेरितों के काम 22:28

पौलुस रोमी कैसे बने थे?

पौलुस जन्म से एक रोमी थे।

प्रेरितों के काम 22:30

जब सैन्य-दल के सरदार जान गया कि पौलुस एक रोमी है, तो उसने क्या किया?

सैन्य-दल के सरदार ने पौलुस के बन्धन खोल दिए और प्रधान याजकों और सारी महासभा को इकट्ठे होने की आज्ञा दी, और पौलुस को उनके सामने खड़ा कर दिया।

प्रेरितों के काम 23:1–2

महायाजक ने पौलुस के पास खड़े लोगों को उनके मुँह पर थप्पड़ मारने की आज्ञा क्यों दी?

महायाजक क्रोधित थे क्योंकि पौलुस ने कहा कि उन्होंने परमेश्वर के लिये बिलकुल सच्चे विवेक से जीवन बिताया है।

प्रेरितों के काम 23:6

पौलुस ने महासभा में कहा कि किस कारण से उनका मुकद्दमा हो रहा है?

पौलुस ने कहा कि उनके पुनरुत्थान में आशा होने के कारण मुकद्दमा हो रहा है।

प्रेरितों के काम 23:7–8

जब पौलुस ने मुकद्दमे का कारण बताया तो महासभा में झगड़ा क्यों हुआ?

झगड़ा इसलिए हुआ क्योंकि फरीसी कहते हैं कि पुनरुत्थान होता है, परन्तु सदूकी कहते हैं कि कोई पुनरुत्थान नहीं होता।

प्रेरितों के काम 23:10

सैन्य-दल के सरदार ने पौलुस को महासभा से गढ़ में क्यों ले गए?

सैन्य-दल के सरदार को यह डर था कि पौलुस को महासभा के लोग टुकड़े-टुकड़े कर डालेंगे।

प्रेरितों के काम 23:11

उसी रात प्रभु ने पौलुस से क्या प्रतिज्ञा की?

प्रभु ने पौलुस से कहा कि धैर्य रखो, क्योंकि जैसी उन्होंने यरूशलेम में उनकी गवाही दी, वैसी ही वे रोम में भी गवाही देंगे।

प्रेरितों के काम 23:12–13

पौलुस के विषय में कुछ यहूदियों ने क्या शपथ खाई?

लगभग चालीस यहूदियों ने शपथ खाई कि जब तक वे पौलुस को मार नहीं डालते, तब तक वे न खाएँगे या पीएँगे ।

प्रेरितों के काम 23:14–15

चालीस यहूदियों ने प्रधान याजकों और प्राचीनों के सामने क्या योजना रखी?

उन्होंने प्रधान याजकों और प्राचीनों से पौलुस को महासभा में लाने के लिये कहा ताकि वे उनके पहुँचने से पहले ही पौलुस को मार डालें।

प्रेरितों के काम 23:16

पौलुस चालीस यहूदियों की योजना के विषय में कैसे जान गए?

पौलुस के भांजे ने इस योजना के विषय में सुना और पौलुस को बताया।

प्रेरितों के काम 23:23–24

जब सैन्य-दल के सरदार ने चालीस यहूदियों की योजना के विषय में जाना, तो उन्होंने कैसे प्रतिक्रिया दी?

सैन्य-दल के सरदार ने पहरेदारों को आज्ञा दी कि पौलुस को रात के तीसरे पहर में सुरक्षित राज्यपाल फेलिक्स के पास पहुँचाएँ।

प्रेरितों के काम 23:29

फेलिक्स राज्यपाल को अपने चिट्ठी में, सैन्य-दल के सरदार ने पौलुस पर लगाए गए दोष के विषय में क्या कहा?

सैन्य-दल के सरदार ने कहा कि यहूदियों के व्यवस्था के विवादों के विषय में उन पर दोष लगाते हैं, परन्तु मार डाले जाने या बाँधे जाने के योग्य पौलुस में कोई दोष नहीं है।

प्रेरितों के काम 23:35

राज्यपाल फेलिक्स ने कब कहा कि वह पौलुस का मुकद्दमा करेंगे?

फेलिक्स ने कहा कि वह पौलुस का मुकद्दमा तब करेंगे जब पौलुस के मुद्दई आएँगे।

प्रेरितों के काम 23:35 (#2)

पौलुस को उनके मुकद्दमे तक कहाँ रखा गया था?

पौलुस को उनके मुकद्दमे तक हेरोदेस के किले में रखा गया था।

प्रेरितों के काम 24:5

तिरतुल्लुस ने पौलुस को किस कुपंथ का मुखिया कहा?

तिरतुल्लुस ने कहा कि पौलुस नासरियों के कुपंथ का मुखिया थे।

प्रेरितों के काम 24:5–6

तिरतुल्लुस वकील ने पौलुस के पर कौन से दोष लगाए?

तिरतुल्लुस ने पौलुस पर यहूदियों में बलवा कराने के लिये और मन्दिर को अशुद्ध करने का दोष लगाया।

प्रेरितों के काम 24:12

पौलुस ने कहा कि उन्होंने मन्दिर, आराधनालयों और नगर में क्या किया था?

पौलुस ने कहा कि उन्होंने किसी से विवाद नहीं किया और न ही भीड़ लगाया।

प्रेरितों के काम 24:14

पौलुस ने कहा कि वे किस बात पर विश्वास करते थे?

पौलुस ने कहा कि जिस पंथ को वे कुपंथ कहते हैं, उसी की रीति पर वे अपने पूर्वजों के परमेश्वर की सेवा करते हैं; और जो बातें व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों में लिखी हैं, उन सब पर विश्वास करते हैं।

प्रेरितों के काम 24:15

पौलुस ने यहूदियों के साथ कौन सी आशा रखी जो उन पर दोष लगा रहे थे?

उन्होंने परमेश्वर से आशा रखी कि धर्मी और अधर्मी दोनों का जी उठना होगा।

प्रेरितों के काम 24:17

पौलुस ने क्यों कहा कि वे यरूशलेम आए थे?

पौलुस ने कहा कि वे अपने लोगों को दान पहुँचाने, और भेंट चढ़ाने आए थे।

प्रेरितों के काम 24:18

पौलुस ने बताया कि वे मन्दिर में क्या कर रहे थे जब आसिया के कुछ यहूदी ने उन्हें पाया?

पौलुस ने कहा कि जब उन्हें पाया गया, तब वे शुद्ध दशा के काम में थे।

प्रेरितों के काम 24:22

राज्यपाल फेलिक्स किस बात को ठीक-ठीक जानता था?

राज्यपाल फेलिक्स पंथ की बातें ठीक-ठीक जानता था।

प्रेरितों के काम 24:22 (#2)

फेलिक्स ने कब कहा कि वह पौलुस की बात का निर्णय करेंगे?

फेलिक्स ने कहा कि वह पौलुस की बात का निर्णय तब करेंगे जब यरूशलेम से सैन्य-दल का सरदार लूसियास आएगा।

प्रेरितों के काम 24:24–25

कुछ दिनों बाद, पौलुस ने फेलिक्स से क्या कहा?

पौलुस ने फेलिक्स को विश्वास जो मसीह यीशु पर है, धार्मिकता, संयम और आनेवाले न्याय के विषय में बताया।

प्रेरितों के काम 24:25

फेलिक्स ने पौलुस को सुनने के बाद कैसी प्रतिक्रिया दी?

फेलिक्स भयभीत हुआ, और उन्होंने पौलुस से कहा कि अभी तो जाएँ।

प्रेरितों के काम 24:27

दो वर्ष बीतने के बाद, जब नया राज्यपाल आया तो फेलिक्स ने पौलुस को क्यों बन्दी ही छोड़ गया?

फेलिक्स पौलुस को बन्दी ही छोड़ गया क्योंकि वह यहूदियों को खुश करना चाहता था।

प्रेरितों के काम 25:3

प्रधान याजकों और यहूदियों के प्रमुख लोगों ने फेस्तुस से क्या विनती की?

उन्होंने फेस्तुस से विनती की कि पौलुस को यरूशलेम में बुलवाए ताकि वे रास्ते में ही पौलुस को मार डाल सकें।

प्रेरितों के काम 25:4–5

फेस्तुस ने प्रधान याजकों और यहूदियों के प्रमुख लोगों को क्या करने को कहा?

फेस्तुस ने उन्हें कैसरिया चलने को कहा, जहाँ फेस्तुस जा रहे थे, और वहाँ वे पौलुस पर दोष लगा सकते थे।

प्रेरितों के काम 25:9

कैसरिया में पौलुस का मुकद्दमा तय करते समय, फेस्तुस ने पौलुस से क्या पूछा?

फेस्तुस ने पौलुस से पूछा कि क्या वे यरूशलेम जाकर वहाँ मुकद्दमा तय करवाना चाहते हैं।

प्रेरितों के काम 25:9 (#2)

फेस्तुस ने पौलुस से यह क्यों पूछा था?

फेस्तुस ने पौलुस से यह इसलिए पूछा क्योंकि वह यहूदियों को खुश करना चाहते थे।

प्रेरितों के काम 25:10

फेस्तुस के प्रश्न पर पौलुस का क्या उत्तर था?

पौलुस ने कहा कि वे कैसर के न्याय आसन के सामने खड़े थे; यहीं उनके मुकद्दमे का फैसला होना चाहिए।

प्रेरितों के काम 25:12

फेस्तुस ने पौलुस के मुकद्दमे में क्या करने का तय किया?

फेस्तुस ने तय किया कि चूँकि पौलुस ने कैसर की दुहाई दी थी, इसलिए वह कैसर के पास भेजे जाएँगे।

प्रेरितों के काम 25:16

फेस्तुस ने पूछा कि किसी मनुष्य को दण्ड के लिये सौंपने पर रोमियों की रीति क्या थी?

फेस्तुस ने कहा कि रोमियों की यह रीति है कि आरोपी को अपने दोष लगाने वालों के सामने खड़े होकर दोष के उत्तर देने का अवसर मिलता है।

प्रेरितों के काम 25:19

फेस्तुस ने कहा कि यहूदी पौलुस पर कौन सा दोष लगा रहे थे?

फेस्तुस ने कहा कि दोष यह है कि उनके मत में विवाद है, और यीशु नामक किसी मनुष्य के विषय में जो मर गए थे, और पौलुस उनको जीवित बताते थे।

प्रेरितों के काम 25:26

फेस्तुस पौलुस को राजा अग्रिप्पा के सामने बोलने के लिये क्यों लाया?

फेस्तुस राजा अग्रिप्पा से पौलुस के विषय में महाराजाधिराज को ठीक बातें लिखने में सहायता चाहते थे।

प्रेरितों के काम 25:27

फेस्तुस ने कहा कि पौलुस को महाराजाधिराज के पास भेजते समय उसके लिये क्या व्यर्थ होगा?

फेस्तुस ने कहा कि पौलुस को महाराजाधिराज के पास बिना किसी दोष लगाए भेजना व्यर्थ होगा।

प्रेरितों के काम 26:3

पौलुस राजा अग्रिप्पा के सामने अपना उत्तर देने के लिये क्यों धन्य समझते थे?

पौलुस राजा अग्रिप्पा के सामने अपना उत्तर देने को धन्य समझते थे, क्योंकि अग्रिप्पा यहूदियों के सब प्रथाओं और विवादों को जानता था।

प्रेरितों के काम 26:5

पौलुस ने यरूशलेम में अपने आरम्भ से कैसी चाल चली?

फरीसी होकर यहूदी मत के सबसे खरे पंथ के अनुसार चले।

प्रेरितों के काम 26:6–8

पौलुस कहते हैं कि वे और यहूदी दोनों परमेश्वर की कौन सी प्रतिज्ञा पूरी होने की आशा लगाए हुए हैं?

पौलुस कहते हैं कि वे और यहूदी परमेश्वर के मरे हुओं को जिलाने की प्रतिज्ञा पूरी होने की आशा लगाए हुए हैं।

प्रेरितों के काम 26:9–11

उनके मन फिराने से पहले, पौलुस यीशु नासरी के नाम के विरोध क्या कर रहे थे?

पौलुस पवित्र लोगों को बन्दीगृह में डालते थे, और जब उन्हें मार डाला जाता था तो वे उसमें सम्मति देते थे, और उन्हें बाहर नगरों में भी जाकर सताते थे।

प्रेरितों के काम 26:13

पौलुस ने दमिश्क के मार्ग में क्या देखा?

पौलुस ने आकाश से सूर्य के तेज से भी बढ़कर एक ज्योति देखी।

प्रेरितों के काम 26:14

पौलुस ने दमिश्क के मार्ग में क्या सुना?

पौलुस ने एक वाणी सुनी, "हे शाऊल, हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?"

प्रेरितों के काम 26:15

कौन दमिश्क के मार्ग में पौलुस से बात कर रहे थे?

यीशु दमिश्क के मार्ग में पौलुस से बात कर रहे थे।

प्रेरितों के काम 26:16–17

यीशु ने पौलुस को क्या ठहराया?

यीशु ने पौलुस को अन्यजातियों के लिये एक सेवक और गवाह ठहराया।

प्रेरितों के काम 26:18

यीशु ने कहा कि वे चाहते हैं कि अन्यजाति क्या पाएँ?

यीशु ने कहा कि वे चाहते हैं कि अन्यजाति पापों की क्षमा और परमेश्वर से विरासत पाएँ।

प्रेरितों के काम 26:20

पौलुस कहते हैं कि जहाँ कहीं भी वे गए, उन्होंने कौन सी दो बातें प्रचार कीं?

पौलुस कहते हैं कि उन्होंने यह प्रचार किया कि लोगों को मन फिराना और परमेश्वर की ओर फिरना चाहिए, और मन फिराव के योग्य काम करने चाहिए।

प्रेरितों के काम 26:22–23

भविष्यद्वक्ताओं और मूसा ने कहा कि क्या होनेवाली हैं?

भविष्यद्वक्ताओं और मूसा ने कहा कि मसीह को दुःख उठाना होगा, मरे हुओं में से जी उठेंगे, और यहूदियों और अन्यजातियों में ज्योति का प्रचार करेंगे।

प्रेरितों के काम 26:24–25

पौलुस का उत्तर सुनने के बाद फेस्तुस ने पौलुस के विषय में क्या सोचा?

फेस्तुस ने सोचा कि पौलुस पागल हैं।

प्रेरितों के काम 26:28-29

पौलुस राजा अग्रिप्पा के लिये क्या चाहते थे?

पौलुस चाहते थे कि राजा अग्रिप्पा एक मसीही बन जाएँ।

प्रेरितों के काम 26:31-32

अग्रिप्पा, फेस्तुस और बिरनीके ने पौलुस पर लगाए गए दोष के विषय में क्या निष्कर्ष निकाला?

उन्होंने यह माना कि पौलुस ने मृत्यु-दण्ड या बन्दीगृह में डाले जाने के योग्य कोई काम नहीं किया है, और यदि उन्होंने कैसर की दुहाई न दी होती तो वे छूट सकते थे।

प्रेरितों के काम 27:3

रोम की यात्रा के आरम्भ में सूबेदार यूलियुस ने पौलुस के साथ कैसा व्यवहार किया?

यूलियुस ने पौलुस पर कृपा करके उन्हें मित्रों के यहाँ जाने दिया कि उनका सत्कार किया जाए।

प्रेरितों के काम 27:7-8

पौलुस का जहाज किस टापू पर कठिनता से चला?

जहाज कठिनता से क्रेते टापू के आड़ में चला।

प्रेरितों के काम 27:10-11

यूलियुस सूबेदार ने जलयात्रा में जोखिम के विषय में पौलुस की चेतावनी क्यों नहीं मानी?

यूलियुस ने पौलुस की चेतावनी नहीं मानी क्योंकि उन्होंने जहाज के स्वामी की बातों को बढ़कर माना।

प्रेरितों के काम 27:14

हवा के साथ यात्रा के आरम्भ के बाद कौन सी आँधी जहाज पर लगी?

हवा के साथ आरम्भ के बाद, यूरकुलीन नामक बड़ी आँधी जहाज पर लगी।

प्रेरितों के काम 27:20

बहुत दिनों के बाद, मल्लाहों की कौन सी आशा जाती रही?

बहुत दिनों के बाद, मल्लाहों की बचने की सारी आशा जाती रही।

प्रेरितों के काम 27:23-24

परमेश्वर के स्वर्गदूत ने पौलुस को जलयात्रा करने वाले लोगों के विषय में क्या सन्देश दिया?

स्वर्गदूत ने पौलुस से कहा कि वे और सभी मल्लाह बच जाएँगे।

प्रेरितों के काम 27:27

चौदहवीं रात के आधी रात को मल्लाहों ने क्या अनुमान से जाना कि जहाज के साथ क्या हो रहा है?

मल्लाहों ने अनुमान से जाना कि जहाज किसी देश के निकट पहुँच रहा है।

प्रेरितों के काम 27:30

मल्लाह क्या चाह रहे थे?

मल्लाह जहाज पर से भागना चाह रहे थे।

प्रेरितों के काम 27:31

पौलुस ने सूबेदार और सिपाहियों से मल्लाहों के विषय में क्या कहा?

पौलुस ने सूबेदार और सिपाहियों से कहा कि यदि मल्लाह जहाज पर नहीं रहेंगे, तो सूबेदार और सिपाही नहीं बच सकेंगे।

प्रेरितों के काम 27:33

जब भोर होने पर था, तो पौलुस ने सब को क्या करने का समझाया?

पौलुस ने सब को भोजन करने को समझाया।

प्रेरितों के काम 27:39-41

मल्लाहों ने जहाज को किनारे पर टिकाने का निर्णय कैसे लिया, फिर क्या हुआ?

मल्लाहों ने निर्णय लिया कि सीधे किनारे की ओर जहाज चलाकर उसे किनारे पर ले जाएँ, परन्तु जहाज की गलही धक्का खाकर गड़ गई और पीछला भाग टूटने लगा।

प्रेरितों के काम 27:42

इस समय सिपाही बन्दियों के साथ क्या करने वाले थे?

सिपाही बन्दियों को मार डालने वाले थे ताकि उनमें से कोई न निकल भागे।

प्रेरितों के काम 27:43

सूबेदार ने सिपाहियों के विचार को क्यों रोका?

सूबेदार ने सिपाहियों के विचार को रोका क्योंकि वे पौलुस को बचाने की इच्छा रखते थे।

प्रेरितों के काम 27:44

जहाज के सब लोग भूमि पर कैसे बच निकले?

जो तैर सकते थे वे पहले जहाज से कूद पड़े, और बाकी लोग पटरों पर या कोई जहाज की अन्य वस्तुओं के सहारे निकल गए।

प्रेरितों के काम 28:2

माल्टा टापू के निवासियों ने पौलुस और जहाज के अन्य लोगों के साथ कैसा व्यवहार किया?

निवासियों ने उनके साथ अनोखी कृपा से व्यवहार किया।

प्रेरितों के काम 28:4

जब लोगों ने साँप को पौलुस के हाथ में लटके हुए देखा तो उन्होंने क्या सोचा?

लोगों ने सोचा कि पौलुस एक हत्यारा था जिन्हें न्याय जीवित रहने नहीं दे रहा।

प्रेरितों के काम 28:6

जब लोगों ने देखा कि पौलुस को साँप ने नहीं मारा तो उन्होंने क्या सोचा?

लोगों ने सोचा कि पौलुस एक देवता हैं।

प्रेरितों के काम 28:8-9

पौलुस द्वारा टापू के प्रधान पुबलियुस के पिता को चंगा करने के बाद क्या हुआ?

टापू के बाकी बीमार लोग आए और चंगे किए गए।

प्रेरितों के काम 28:11

पौलुस और जहाज के लोग माल्टा के टापू पर कितने समय तक रहे?

पौलुस और जहाज के लोग माल्टा के टापू पर तीन महीने तक रहे।

प्रेरितों के काम 28:15

जब पौलुस ने रोम से आए उन भाइयों को देखा जो उनसे भेंट करने को निकल आए, तो उन्होंने क्या किया ।

जब उन्होंने भाइयों को देखा, पौलुस ने परमेश्वर का धन्यवाद किया और ढाढ़स बाँधा।

प्रेरितों के काम 28:16

रोम में बन्दी रहते हुए पौलुस की रहने की तैयारी कैसी थी?

पौलुस को एक सिपाही के साथ जो उसकी रखवाली करता था, अकेले रहने की आज्ञा हुई।

प्रेरितों के काम 28:20

रोम में यहूदियों के प्रमुख लोगों से पौलुस ने क्या कारण कहा कि वह जंजीर से जकड़े हुए हैं?

पौलुस ने रोम में यहूदियों के प्रमुख लोगों से कहा कि उन्हें इस्राएल की आशा के लिये जंजीर से जकड़े हुए हैं।

प्रेरितों के काम 28:22

रोम में यहूदियों के प्रमुख लोग मसीही मत के विषय में क्या जानते थे?

रोम में यहूदियों के प्रमुख लोग जानते थे कि हर जगह इस मत के विरोध में लोग बातें करते हैं।

प्रेरितों के काम 28:23

जब यहूदियों के प्रमुख लोग पौलुस के यहाँ इकट्ठे हुए, तो पौलुस ने भोर से साँझ तक क्या किया?

पौलुस ने मूसा की व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों से यीशु के विषय में उन्हें समझाया।

प्रेरितों के काम 28:24

यहूदियों के प्रमुख लोगों की पौलुस की प्रस्तुति पर क्या प्रतिक्रिया थी?

कुछ यहूदियों के प्रमुख लोगों ने मन लिया, जबकि कुछ ने विश्वास नहीं किया।

प्रेरितों के काम 28:26

पौलुस द्वारा उद्धृत अन्तिम पवित्रशास्त्र में यहूदियों के प्रमुख लोगों के विषय में क्या कहता है जिन्होंने विश्वास नहीं किया?

पौलुस ने जो अन्तिम पवित्रशास्त्र उद्धृत किया, उसमें कहा गया था कि जो लोग विश्वास नहीं करते, वे जो कुछ सुनते और देखते हैं, उसे न तो समझेंगे और न ही बुझेंगे।

प्रेरितों के काम 28:28

पौलुस ने कहा कि परमेश्वर के उद्धार की कथा कहाँ भेजी गई थी, और प्रतिक्रिया क्या होगी?

पौलुस ने कहा कि परमेश्वर के उद्धार की कथा अन्यजातियों के पास भेजी गई है, और वे सुनेंगे।

प्रेरितों के काम 28:31

रोम में बन्दी रहते हुए पौलुस ने क्या किया?

पौलुस ने बिना रोक-टोक बहुत निडर होकर परमेश्वर के राज्य का प्रचार किया और प्रभु यीशु मसीह की बातें सिखाई ।

प्रेरितों के काम 28:31 (#2)

जब पौलुस दो वर्ष तक रोम में बन्दी थे, तो उन्हें प्रचार करने और सीखाने से किसने रोका?

प्रेरितों के काम *28:31 (#2)*

वाक्यांश "बिना रोक-टोक" का अर्थ है कि किसी ने उन्हें नहीं रोका।